website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 29 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 09 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

दिल्ली पुलिस ने अवैध गारमेंट यूनिट का भंडाफोड़ किया,नकली ब्रांडेड कपड़े जब्त

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस के वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की जिला जांच इकाई (DIU) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गारमेंट निर्माण और भंडारण इकाई का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के नाम पर तैयार किए जा रहे कुल 1,919 नकली रेडीमेड कपड़े जब्त किए गए हैं। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान राजीव नागपाल (45) के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक यह छापेमारी टोडापुर, दिल्ली में स्थित एक अपर-ग्राउंड प्रिमाइस में की गई, जहां बड़े पैमाने पर नकली ब्रांडेड कपड़ों का निर्माण और स्टोरेज किया जा रहा था। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित ब्रांड्स के अधिकृत प्रतिनिधियों की शिकायत के बाद की गई। शिकायत की जांच, ट्रेडमार्क और कॉपीराइट दस्तावेजों के सत्यापन तथा ट्रेड मार्क्स एक्ट, 1999 के तहत आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने छापा मारा। 7 जनवरी 2026 को हुई इस छापेमारी का नेतृत्व एसआई वंदना ने किया। टीम में एसआई उदयवीर सिंह और हेड कांस्टेबल ऋषिराज शामिल थे। कार्रवाई के दौरान जारा की 1,050, यूएसपीए की 650 और लेवाइस की 213 नकली शर्ट बरामद की गईं। इस मामले में थाना इंदरपुरी में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

DRI की बड़ी कार्रवाई, 40 करोड़ का सोना और 2.9 करोड़ नकद जब्त

नई दिल्ली । सीमा पार सोना तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व आसूचना निदेशालय (DRI) ने दिल्ली और अगरतला में एक साथ छापेमारी कर इंटरनेशनल गोल्ड स्मगलिंग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 29.2 किलोग्राम विदेशी मूल का सोना, जिसकी कीमत लगभग ₹40 करोड़ बताई जा रही है, और ₹2.90 करोड़ नकद जब्त किया गया है। इसके साथ ही सिंडिकेट के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी बयान के अनुसार, विशेष खुफिया सूचना के आधार पर 6 जनवरी 2026 को DRI ने एक बड़े तस्करी नेटवर्क के सदस्य को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी एक घरेलू लॉजिस्टिक्स वेयरहाउस से की गई, जहां आरोपी अगरतला, त्रिपुरा से आई दो खेप की डिलीवरी लेने पहुंचा था। जांच के दौरान खेप से 15 किलोग्राम विदेशी सोना बरामद हुआ, जिस पर अंतरराष्ट्रीय रिफाइनरी के निशान थे और इसकी कीमत करीब ₹20.73 करोड़ आंकी गई। इसके बाद दिल्ली और अगरतला में कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया, जहां से अतिरिक्त 14.2 किलोग्राम विदेशी सोना और भारतीय व बांग्लादेशी मुद्रा में ₹2.90 करोड़ नकद बरामद किया गया। जांच में सामने आया है कि यह सिंडिकेट भारत-बांग्लादेश सीमा के जरिए सोने की तस्करी कर उसे घरेलू कार्गो सेवाओं से दिल्ली भेज रहा था। मामले में आगे की जांच जारी है।

श्रीनगर में सीजन की सबसे ठंडी रात, पारा माइनस 5.1 डिग्री

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में कड़ाके की ठंड ने इस सर्दी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बुधवार रात श्रीनगर का न्यूनतम तापमान माइनस 5.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम की अब तक की सबसे सर्द रात रही। स्थानीय मौसम विभाग के डायरेक्टर मुख्तार अहमद ने बताया कि मौजूदा सर्दी के दौरान यह श्रीनगर में दर्ज किया गया सबसे कम न्यूनतम तापमान है। घाटी के अन्य इलाकों में भी भीषण ठंड का असर देखा गया। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान माइनस 9.2 डिग्री और पहलगाम में माइनस 8.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जम्मू संभाग में भी ठंड बढ़ गई है। जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री, कटरा में 4.1, बटोटे में 2.8, बनिहाल में 3.7 और भद्रवाह में माइनस 3.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने 20 जनवरी तक ठंडे और सूखे मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। इससे कश्मीर में 'चिल्लई कलां' के दौरान कम बर्फबारी को लेकर चिंता बढ़ गई है। 21 दिसंबर से शुरू हुई 40 दिन की यह कड़ी सर्दी 30 जनवरी को खत्म होगी। इस दौरान पर्याप्त बर्फबारी न होने से जलाशयों में पानी की कमी और गर्मियों में जल संकट का खतरा गहराता जा रहा है।

ग्रीन फाइलों में क्या है राज? ED रेड के बीच क्यों मौके पर पहुंचीं ममता बनर्जी, I-PAC कनेक्शन पर सवाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की कार्रवाई के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से जुड़ी राजनीतिक रणनीति बनाने वाली संस्था इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमिटी (I-PAC) के ठिकानों पर छापेमारी के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई। इस कार्रवाई के बाद ममता बनर्जी ने केंद्रीय एजेंसियों और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने ED पर पार्टी के अहम दस्तावेज उठाने का आरोप लगाया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को 'शरारती होम मिनिस्टर' तक कह दिया।

I-PAC से जुड़े ठिकानों पर ED की छापेमारी

ED ने सेंट्रल कोलकाता में I-PAC के वरिष्ठ अधिकारी प्रतीक जैन के आवास और सॉल्ट लेक सेक्टर-5 स्थित गोदरेज वाटरसाइड बिल्डिंग में मौजूद I-PAC के कार्यालय पर तलाशी ली। प्रतीक जैन को ममता बनर्जी की चुनावी रणनीति टीम का महत्वपूर्ण सदस्य माना जाता है। जैसे ही छापेमारी की खबर फैली, तृणमूल कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सॉल्ट लेक स्थित दफ्तर के बाहर एकत्र हो गए।

केंद्र सरकार पर ममता बनर्जी का तीखा हमला

ED की कार्रवाई को लेकर ममता बनर्जी ने सीधे तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी छापेमारी 'शरारती गृह मंत्री' के निर्देश पर कराई गई है, जो देश की सुरक्षा संभालने में नाकाम रहे हैं। ममता ने कहा कि केंद्र सरकार टीएमसी की उम्मीदवार

सूची, चुनावी रणनीति और पार्टी की आंतरिक योजनाओं को हासिल करना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि ED पार्टी कार्यालय से दस्तावेज ले रही थी, जबकि वहां कोई सुरक्षा गार्ड तक मौजूद नहीं था।

फाइलें काफिले की गाड़ी में रखे जाने पर उठा सवाल

डॉक्यूमेंट चोरी के आरोपों के बीच यह मामला भी सामने आया कि ममता बनर्जी के कार्यालय में रखी कुछ फाइलों को उठाकर उनके काफिले की गाड़ी में रखवाया गया। इसके बाद यह सवाल खड़े हो गए कि इन फाइलों में ऐसी क्या अहम जानकारी थी, जिसे तुरंत सुरक्षित करने की जरूरत पड़ी। इस पूरे घटनाक्रम पर अब तक न तो तृणमूल कांग्रेस और न ही ED की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने आया है।

'पार्टी की रणनीति चुराने की कोशिश' का आरोप

मीडिया से बातचीत में ममता बनर्जी ने कहा कि ED की छापेमारी का मकसद उनकी पार्टी की अंदरूनी राजनीतिक रणनीति तक पहुंच बनाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि आईटी सेक्टर से जुड़े कार्यालय में आकर उम्मीदवारों की सूची, चुनावी प्लान और पार्टी की रणनीति से जुड़े दस्तावेज जब्त करने की कोशिश की गई। बढ़ते तनाव के बीच स्थिति संभालने के लिए बिधाननगर के पुलिस कमिश्नर भी मौके पर पहुंचे।

I-PAC और ममता बनर्जी का पुराना राजनीतिक रिश्ता

I-PAC लंबे समय से पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की चुनावी रणनीतिकार रही है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में I-PAC की रणनीति के तहत तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की थी। इसके बाद टीएमसी ने I-PAC के साथ अपना समझौता 2026 तक बढ़ा दिया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी I-PAC ने पश्चिम बंगाल में टीएमसी को रणनीतिक समर्थन दिया था।

I-PAC का राजनीतिक सफर

इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमिटी की शुरुआत वर्ष 2013 में 'सिटीज़न्स फॉर अकाउंटेबल गवर्नेंस' के रूप में हुई थी। यह संगठन राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए चुनावी एजेंडा और रणनीति तैयार करता है। वर्ष 2014 में 'चाय पर चर्चा', 'मोदी आने वाले हैं' और 'घर-घर मोदी' जैसे अभियानों की परिकल्पना I-PAC से जुड़ी रही। इसके अलावा बिहार, पंजाब, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में I-PAC विभिन्न राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीति तैयार कर चुका है।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 2025 में 548 अवैध विदेशी नागरिक चिन्हित, बांग्लादेशी सबसे अधिक

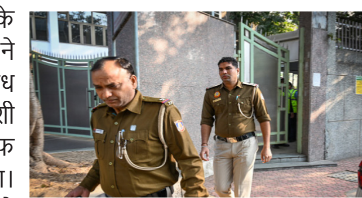

नई दिल्ली । दिल्ली के आउटर डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने वर्ष 2025 के दौरान अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। इस सालभर चली मुहिम में कुल 548 विदेशी नागरिकों की पहचान की गई, जो बिना वैध वीजा या आवश्यक दस्तावेजों के दिल्ली में रह रहे थे। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (FRRO) के समक्ष पेश किया, जहां से उन्हें देश से निष्कासित करने के आदेश दिए गए और डिटेंशन सेंटर भेजा गया। यह विशेष अभियान आउटर डिस्ट्रिक्ट के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (DCP) सचिन शर्मा की निगरानी में चलाया गया। जिले के विभिन्न पुलिस थानों और इकाइयों की गठित विशेष टीमों ने मिलकर यह कार्रवाई अंजाम दी। आंकड़ों के अनुसार, फॉरेनर्स सेल ने सबसे अधिक 318 अवैध विदेशियों की पहचान की। निहाल विहार थाना क्षेत्र से 134, मुंडका से 87, रनहोला से 5, रानी बाग और पश्चिम विहार ईस्ट से एक-एक तथा साइबर पुलिस स्टेशन ने 2 विदेशी नागरिकों को पकड़ा। पकड़े गए लोगों में सबसे ज्यादा संख्या बांग्लादेशी नागरिकों की रही, जिनकी तादाद 380 थी। इसके अलावा नाइजीरिया के 111, आइवरी कोस्ट के 17, घाना के 13, सेनेगल और कैमरून के 10-10, नाइजर के 2 तथा लाइबेरिया, रूस, गिनी, सिएरा लियोन और गाम्बिया के एक-एक नागरिक शामिल थे। पुलिस के अनुसार, ये सभी लोग लंबे समय से बिना वैध दस्तावेजों के आउटर डिस्ट्रिक्ट के अलग-अलग इलाकों में रह रहे थे और कई का वीजा पहले ही समाप्त हो चुका था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध विदेशी नागरिकों के खिलाफ यह कार्रवाई जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे, ताकि अनधिकृत रूप से रह रहे लोगों पर सख्त नजर रखी जा सके।

भारत को वैश्विक AI लीडर बनाने की दिशा में बड़ा कदम

-PM मोदी की स्टार्ट-अप्स के साथ खास मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को प्रमुख भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) स्टार्ट-अप्स के साथ एक राउंडटेबल बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में देश में एक नैतिक, समावेशी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी AI इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया।

12 भारतीय AI स्टार्ट-अप्स के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

यह बातचीत प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर हुई, जिसमें 12 भारतीय AI स्टार्ट-अप्स के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। ये स्टार्ट-अप्स अगले महीने होने वाले इंडिया AI इम्पैक्ट समिट 2026 में AI फॉर ऑल: ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं।

भाग लेने वाले स्टार्ट-अप्स ने अपने काम का किया प्रदर्शन

भाग लेने वाले स्टार्ट-अप्स ने भारतीय भाषा फाउंडेशन मॉडल, बहुभाषी बड़े भाषा मॉडल (LLMs), स्पीच-टू-टेक्स्ट और टेक्स्ट-टू-ऑडियो/वीडियो टेक्नोलॉजी, 3D कंटेंट बनाने के लिए जेनरेटिव AI, इंजीनियरिंग सिमुलेशन, मटीरियल रिसर्च, एडवांस्ड डेटा एनालिटिक्स, और हेल्थकेयर डायग्नोस्टिक्स तथा मेडिकल रिसर्च

सहित कई क्षेत्रों में अपने काम का प्रदर्शन किया।

भारत के AI सेक्टर की तेज ग्रोथ और भविष्य की संभावनाओं पर डाली रोशनी

चर्चा के दौरान स्टार्ट-अप नेताओं ने भारत के AI सेक्टर की तेज ग्रोथ और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि AI इनोवेशन और डिप्लॉयमेंट का वैश्विक केंद्र तेजी से भारत की ओर शिफ्ट हो रहा है, जिसका श्रेय मजबूत टैलेंट पूल, स्केलेबल डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और सहायक पॉलिसी माहौल को जाता है। स्टार्ट-अप्स ने AI इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने में सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की।

पीएम मोदी ने AI उद्यमियों को दिया नया मंत्र

PM मोदी ने AI की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि इंडिया AI इम्पैक्ट समिट की मेजबानी से टेक्नोलॉजी सेक्टर में भारत का नेतृत्व मजबूत होगा। उन्होंने स्टार्ट-अप्स और AI उद्यमियों को "भारत के भविष्य के सह-वास्तुकार" बताया और बड़े पैमाने पर इनोवेशन की भारत की अनोखी क्षमता पर बल दिया।

भारत को वैश्विक AI लीडर बनाने की दिशा में बड़ा कदम

प्रधानमंत्री ने विशिष्ट भारतीय AI दृष्टिकोण का आह्वान करते हुए कहा कि देश को "मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड" मॉडल दुनिया के सामने पेश करना चाहिए। उन्होंने AI मॉडल्स को नैतिक, निष्पक्ष, पारदर्शी और डेटा प्राइवेसी पर आधारित बनाने का आग्रह किया। साथ ही, स्थानीय कंटेंट और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित किया, ताकि भारत किफायती और समावेशी AI इनोवेशन में वैश्विक नेता बने। PM मोदी ने एंटरप्रेन्योर को आश्वासन दिया कि उनके AI मॉडल्स की सफलता के लिए सरकार पूरा सपोर्ट देगी।मीटिंग में Avataar, BharatGen, Fractal, Gan, Genloop, Gnani, Intelli-health, Sarvam, Shodh AI, Soket AI, Tech Mahindra और Zenteiq जैसे स्टार्टअप के CEO और सीनियर प्रतिनिधि शामिल हुए। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा राज्य मंत्री जितिन प्रसाद भी मौजूद थे।

जमीन क जाने वालों को जेल भेजें, जनता दर्शन में अफसरों से बोले सीएम योगी

यूपी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और ऐसे लोगों को जेल भेजा जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ यह सुनिश्चित करे कि बिना किसी भेदभाव के सभी को न्याय मिले। दबंगों पर सख्ती बरती जाए और हर पात्र व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। जरूरतमंदों के इलाज में किसी तरह की लापरवाही न हो। मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान फरियादियों की शिकायतें सुन रहे थे। गोरखनाथ मंदिर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। वह स्वयं कुर्सियों पर बैठे लोगों तक पहुंचे और उनकी बातों को गंभीरता से सुना। सभी प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए त्वरित और संतोषजनक समाधान के निर्देश दिए। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार

हर पीड़ित की समस्या के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पैसे की कमी से इलाज नहीं रुकेगा

जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने आए गंभीर रोगियों से मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का उपचार नहीं रोका जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जरूरतमंद मरीजों के उच्चस्तरीय इलाज का इस्टीमेट तुरंत तैयार कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार बिना देरी के धन उपलब्ध कराएगी। राजस्व और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में भी मुख्यमंत्री ने शीघ्र निस्तारण के आदेश दिए।

सीएम योगी ने की गोसेवा, गोवंश को खिलाया गुड़

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन करने और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा के समक्ष नमन करने के बाद उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण किया। गोशाला पहुंचकर उन्होंने गोसेवा की और गायों व गोवंश को स्नेहपूर्वक गुड़ खिलाया। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद बच्चों से भी मुलाकात कर उन्हें आशीर्वाद, स्नेह और चॉकलेट दी।

बंगाल में ED की कार्रवाई पर भड़के अखिलेश यादव, BJP को लेकर की बड़ी भविष्यवाणी

यूपी। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की कार्रवाई को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने न सिर्फ ED की कार्रवाई पर सवाल उठाए, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के भविष्य को लेकर भी टिप्पणी कर दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कन्नौज सांसद अखिलेश यादव ने लिखा कि भाजपा बंगाल में बुरी तरह हार रही है और यही इसका पहला सबूत है। गौरतलब है कि बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय ने कोलकाता में राजनीतिक परामर्श फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमिटी (I-PAC) और इसके निदेशक प्रतीक जैन से जुड़े परिसरों पर धनशोधन मामले की जांच के तहत छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, प्रतीक जैन I-PAC के सह-संस्थापक हैं और पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख भी

हैं। सूत्रों ने बताया कि ईडी द्वारा कुछ अन्य ठिकानों पर भी तलाशी ली जा रही है। इसी दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रतीक जैन के आवास पर पहुंचीं और केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। उल्लेखनीय है कि I-PAC की स्थापना राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले की थी। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद इस संस्था ने तृणमूल कांग्रेस और राज्य सरकार के साथ काम किया था।

ममता पहुंचीं जैन के घर

उधर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बृहस्पतिवार को I-PAC प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर पहुंचीं, जहां प्रवर्तन निदेशालय तलाशी अभियान चला रहा था। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि ईडी तृणमूल कांग्रेस के आंतरिक दस्तावेज, हार्ड डिस्क और संवेदनशील डिजिटल डाटा जब्त करने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कहा कि उनके आईटी प्रकोष्ठ के प्रभारी के घर पर की गई यह कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक है। वहीं पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के जैन के आवास पर पहुंचने को असंवैधानिक बताते हुए इसे केंद्रीय एजेंसी की जांच में सीधा हस्तक्षेप करार दिया। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ईडी की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री का मौके पर जाना कानून के खिलाफ है और इस मामले में केंद्रीय एजेंसी को नियमों के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए।

वेनेज़ुएला पर अमेरिकी कार्रवाई से चीन को नया आधार, ताइवान पर बढ़ सकता है संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने जब वेनेजुएला की राजधानी में दाखिल होकर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया, उससे कुछ ही घंटे पहले उनकी मुलाकात चीन के विशेष दूत से हुई थी। चीन और वेनेजुएला के बीच रणनीतिक और आर्थिक रिश्ते लंबे समय से बेहद मजबूत रहे हैं। अमेरिका के बाद चीन वेनेजुएला का दूसरा सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार रहा है। ऐसे में मादुरो की गिरफ्तारी और वेनेजुएला के तेल संसाधनों व बाजार पर अमेरिका के नियंत्रण से चीन को बड़ा झटका लगा है। खास तौर पर उस फैसले से चीन को नुकसान पहुंचा है, जिसमें अमेरिका ने यह शर्त रखी है कि वेनेजुएला के बाजार में केवल अमेरिकी उत्पादों की आपूर्ति की जाएगी। इससे चीन के हाथ से एक अहम अंतरराष्ट्रीय बाजार निकलता नजर आ रहा है। हालांकि इस नुकसान के बीच चीन के लिए एक रणनीतिक अवसर भी उभरता दिख रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप सरकार जिस मुनरो डॉक्ट्रिन का हवाला देकर यह दावा कर रही है कि लैटिन अमेरिका के एक हिस्से पर अमेरिका का विशेष अधिकार है, उसी तर्क का इस्तेमाल चीन ताइवान पर अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए कर सकता है। 19वीं सदी की मुनरो डॉक्ट्रिन का उल्लेख ट्रंप प्रशासन ने बीते वर्ष जारी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति दस्तावेज में किया था। इस नीति के तहत अमेरिका संसाधन-संपन्न लैटिन अमेरिकी देशों पर प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे हालात

चीन को यह तर्क देने का हौसला दे सकते हैं कि अगर अमेरिका वेनेजुएला जैसे संप्रभु देश पर नियंत्रण स्थापित कर सकता है, तो चीन ताइवान के मामले में ऐसा क्यों नहीं कर सकता। ट्रंप प्रशासन लगातार वेनेजुएला पर दबाव बना रहा था कि वह चीन, ईरान, रूस और क्यूबा से अपने संबंध तोड़े, तभी उसे तेल उत्पादन की अनुमति दी जाएगी।

ट्रंप ने जताई थी आपत्ति—वेनेजुएला में चीन का बढ़ता निवेश क्यों

डोनाल्ड ट्रंप कई बार यह सवाल उठा चुके थे कि चीन वेनेजुएला में इतने बड़े पैमाने पर निवेश क्यों कर रहा है। इतना ही नहीं, ट्रंप प्रशासन ने ग्रीनलैंड तक पर दावा जताकर यूरोप में भी तनाव बढ़ा दिया है। इन सभी घटनाक्रमों से चीन को ताइवान के मुद्दे पर नया बल मिल सकता है, जहां वह सुरक्षा और 'वन चाइना' नीति के नाम पर आक्रामक कदम उठा सकता है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

यूरोप के साथ नई साझेदारी: बदलते वैश्विक हालात में भारत की दूरदर्शी कूटनीति

यूरोप से रिश्ते बेहतर करने का यही सबसे मुनासिब समय है। वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था इस वक्त तेज़ बदलाव के दौर से गुज़र रही है, और ऐसे में भारत के लिए अपने कूटनीतिक विकल्पों को संतुलित व दूरदर्शी ढंग से आगे बढ़ाना बेहद ज़रूरी हो गया है। इसी संदर्भ में जर्मनी के नए चांसलर फ्रेडरिक मर्ज का भारत दौरा खास मायने रखता है। इसके साथ ही इस वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर यूरोपीय संघ से जुड़े दो बड़े चेहरे—27 देशों वाले संगठन यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष अंटोनियो कोस्टा—का मुख्य अतिथि के रूप में आना इस बात का संकेत है कि भारत और यूरोप दोनों ही आपसी रिश्तों को नई मजबूती देना चाहते हैं। आज यूरोपीय संघ केवल देशों का समूह नहीं, बल्कि आर्थिक और सामरिक रूप से एक संगठित इकाई की तरह काम कर रहा है। लगभग 23 ट्रिलियन डॉलर की संयुक्त जीडीपी के साथ यह अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत है। तकनीक, हरित ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और औद्योगिक नवाचार में यूरोप की भूमिका अग्रणी रही है। ऐसे समय में, जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ नीति ने भारत सहित पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है, यूरोप—खासतौर पर जर्मनी और फ्रांस—के साथ भरोसेमंद और स्थिर संबंध रखना भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम हो जाता है। भारत पहले ही यूनाइटेड किंगडम के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट कर चुका है और यूरोपीय संघ के साथ ऐसा समझौता भी लगभग अंतिम चरण में है। यह सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि सप्लाई चेन, निवेश, तकनीकी सहयोग और रोजगार के नए अवसरों का रास्ता खोलता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर जिस तरह ट्रम्प की मनमानी और दबाव की राजनीति सामने आई है, उसने यह साफ कर दिया है कि भारत जैसे संप्रभु राष्ट्र के लिए बहुपक्षीय साझेदारियों को मज़बूत करना कितना जरूरी है। नई दिल्ली के लिए यूरोप के साथ रिश्तों को नई ऊंचाइयों तक ले जाना इसी रणनीति का हिस्सा है। यह जरूरत एकतरफा नहीं है। ग्रीनलैंड से लेकर अन्य यूरोपीय देशों तक, और हाल के दौर में दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र भी ट्रम्प की स्वेच्छाचारिता का सामना कर चुके हैं। ऐसे माहौल में यूरोपीय संघ को भी भारत जैसे बड़े, स्थिर और तेज़ी से बढ़ते बाज़ार की ज़रूरत है। भारत की जनसंख्या, उपभोक्ता क्षमता और तकनीकी प्रतिभा यूरोप के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। इसलिए भारत–ईयू संबंध स्वाभाविक रूप से पारस्परिक और संतुलित होंगे, जहां दोनों पक्षों को लाभ मिलेगा। भारत के लिए समझदारी इसी में है कि वह किसी उकसावे में आकर तीखी प्रतिक्रिया देने के बजाय शांत, सहज और व्यावहारिक रवैया अपनाए। रूस, यूरोप, अफ्रीका और अवसर के अनुसार चीन के साथ संतुलित रिश्ते बनाए रखना आज की वैश्विक हकीकत है।

एआई के दौर में मनुष्य की संवेदना, कल्पना और विवेक ही तय करेंगे भविष्य, मशीन नहीं बल्कि सोच आगे ले जाएगी

-तकनीक अपनाइए, लेकिन भावनाओं, अनुभव और मानवीय चेतना को खोने मत दीजिए

बड़े-बूढ़ों की कही बातें अक्सर समय की कसौटी पर खरी उतरती हैं। वे अनुभव से निकली होती हैं, किताबों से नहीं। उन्हीं में से एक कहावत है—जो पेड़ नई कोंपलों का स्वागत नहीं करते, वे आखिरकार ठूंठ हो जाते हैं। आज यह पंक्ति आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के दौर में और भी गहरी सच्चाई बनकर सामने खड़ी है। जमाना एआई का है। मशीनें सीख रही हैं, समझ रही हैं, लिख रही हैं, बोल रही हैं, निर्णय ले रही हैं। ऐसा लगता है मानो भाव, संवेदना, इंसानी रिश्तों और मानवीय स्पर्श का अकाल आने वाला है। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? क्या तकनीक मनुष्य से आगे निकल जाएगी, या मनुष्य को अपने भीतर झांककर खुद से आगे निकलना होगा?

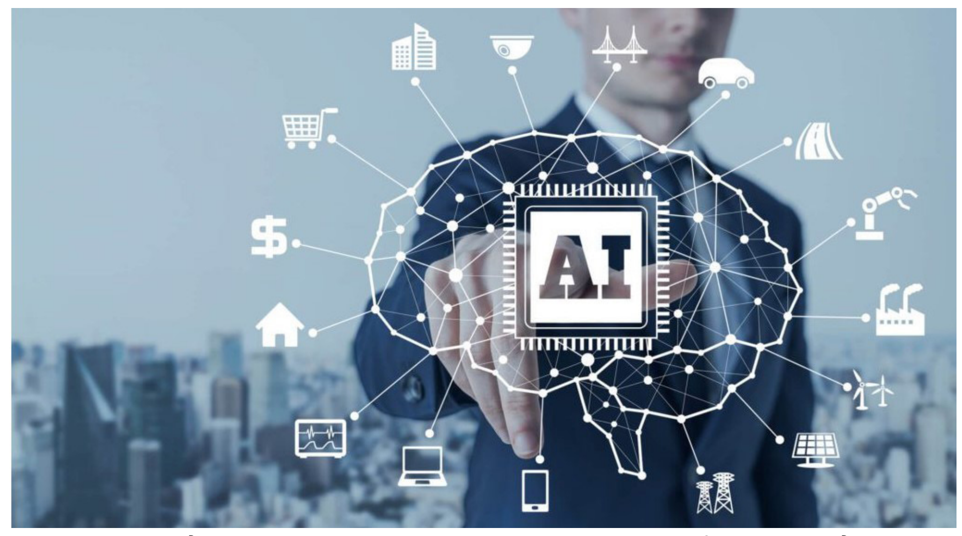

एआई की तेज़ रफ़्तार और भाषा का संकट

हाल ही में एक छोटा-सा उदाहरण सामने आया—अदालतों की भाषा में वर्षों से लिखा जाता रहा है, "बच्चे को मां के संरक्षण में दिया जाए"। यह वाक्य सिर्फ कानूनी नहीं, भावनात्मक भी है। इसमें मां की ममता, सुरक्षा और भरोसे का भाव छिपा है। लेकिन एआई ने इसे अनुवाद करते हुए लिख दिया—"बच्चे को मां की हिरासत में दिया जाए।" शब्द वही हैं, अर्थ भी करीब-करीब वही, लेकिन भाव गायब है। संरक्षण और हिरासत के बीच का फर्क मशीन नहीं समझ सकती। यहीं से मशीनी उपहास शुरू होता है—जहां भावानुवाद की जगह शब्दानुवाद हावी हो जाता है। ऐसे उदाहरण बढ़ते जा रहे हैं। कविता गद्य बन रही है, संवेदना सूचना बन रही है और अनुभव आंकड़ों में बदल रहा है। इससे बचना या बचाना आखिर मनुष्य के ही हाथ में है। सावधानी हटी कि दुर्घटना घटी—यह बात एआई पर भी उतनी ही लागू होती है।

युगांतकारी बदलाव, लेकिन सीमाएं भी

इसमें कोई शक नहीं कि एआई के कारण हर कार्यक्षेत्र में युगांतकारी बदलाव आ रहे हैं। चिकित्सा से लेकर शिक्षा तक, पत्रकारिता से लेकर न्याय तक—हर जगह मशीनें अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही हैं। लेकिन इसके बावजूद मनुष्य की चतुराई, उसकी कल्पना और उसकी संवेदना का मुकाबला कोई मशीन नहीं कर सकती। न आज, न कल, न आगे कभी। क्योंकि मशीन के पास डेटा है, अनुभव नहीं। एल्गोरिद्म है, आत्मा नहीं। गति है, गहराई नहीं।

क्या एआई मणिकर्णिका घाट महसूस कर सकता है?

सोचिए—बनारस के मणिकर्णिका घाट पर घंटों बैठने का अनुभव। वहां चिता की आग जलती रहती है। मनुष्य का सबकुछ—देह, अभिमान, रिश्ते—जलता-भुनता रहता है। उसी बीच आसपास की दीवारों की सीलन का पानी भी तपकर सूखने लगता है। यह दृश्य सिर्फ आंखों से नहीं देखा जाता, भीतर उतारा जाता है।

क्या एआई यह महसूस कर सकता है?

घाटों पर जाजम बिछाए बैठे लोग, जो आते-जाते लोगों के हाथों से गिरे चावल के दाने बीनते रहते हैं। वे नीचे फर्श पर ही बैठते हैं, क्योंकि वे कुर्सियों के पहले जन्मे हैं। यह वाक्य आंकड़ों में नहीं आता, यह इतिहास और संवेदना में दर्ज होता है।

असी घाट की भोर और कल्पना की उड़ान

असी घाट पर सुबह-ए-बनारस। भोर का नभ शंख जैसा नजर आता है। जैसे राख से लीपा हुआ चौका। जैसे केसर घोलकर रंगी हुई चौखट। टुकड़े-टुकड़े आकाश धीरे-धीरे इकट्ठा होता हुआ दिखता है, जैसे किसी दर्जी ने आसमान के सारे टुकड़ों को एक साथ करके सी दिया हो—किसी गुदड़ी की तरह। यह दृश्य देखने के लिए आंख नहीं, भीतर का कैमरा चाहिए। क्या एआई यह कल्पना कर सकता है? वह वर्णन कर सकता है, लेकिन अनुभूति नहीं।

बरसाने की लट्ठमार होली और बदलती स्त्री

बरसाने की लट्ठमार होली सिर्फ एक उत्सव नहीं, एक सामाजिक बयान है। सदियों से गलत परंपराओं और रूढ़ियों की मार सहती आई स्त्री मानो कह रही हो—"लद गए वो दिन जब तुमने मुझे रूढ़ियों के नाम पर पीसा। अब मैं अपनी हरियाली खुद सींच रही हूं।" उसे अब किसी बाहरी हवा या बारिश का कर्ज नहीं। वह जन्म से हिरन हो सकती है, लेकिन अब शेर बनना चाहती है—और बन भी गई है। यह भाव कोई तकनीक, कोई मशीन हमारे भीतर नहीं भर सकती। यह जागृति मनुष्य के अनुभव से आती है, संघर्ष से आती है।

नई सोच का विरोध और इतिहास की सज़ा

इतिहास गवाह है—जिन कंपनियों या लोगों ने नई टेक्नोलॉजी को समय रहते नहीं अपनाया, जो नई और अलग सोच को दुत्कारते रहे, वे इतिहास में ही समा गए। समय ने उनके ऊपर धूल डालने में ज़रा भी देर नहीं लगाई। लेकिन इतिहास यह भी गवाह है कि जिन्होंने तकनीक को अपनाया, लेकिन अपनी संवेदना नहीं छोड़ी, वही आगे बढ़े। जिन्होंने मशीन को साधन बनाया, साध्य नहीं—वही टिके।

नौकरियों का डर और असली सवाल

आज आम आदमी के मन में सवाल उभर रहे हैं—कितनी नौकरियां जाएंगी? कितने लोग बेरोजगार होंगे? यह डर जायज़ है। मशीन अपना काम करेगी—और करती रहेगी। लेकिन मनुष्य का काम कम नहीं होने वाला।

काम का स्वरूप बदलेगा। जो काम मशीन कर सकती है, अगर वही काम मनुष्य करता रहेगा, तो नौकरी जाएगी—आज नहीं तो कल। हमें मशीन से आगे निकलना होगा। उस दिमाग का इस्तेमाल करना होगा, जो सिर्फ मनुष्य के पास है—सोचने का, समझने का, सवाल उठाने का, कल्पना करने का।

संवेदनशीलता: मनुष्य की अंतिम पूंजी

भावनात्मक संबंध, संवेदनशीलता, करुणा, रचनात्मकता—यह सब मशीन नहीं कर सकती। एआई को भी बनाने वाला आखिर मनुष्य ही है। मशीन हमारे लिए समय बचा सकती है। आंकड़े संभाल सकती है। दोहराव वाला काम कर सकती है। बदले में हमें समय मिलेगा—सोचने का, समझने का और इम्प्लीमेंट करने का।

तकनीक से डर नहीं, संवाद ज़रूरी

एआई से डरने की ज़रूरत नहीं, उससे संवाद करने की ज़रूरत है। उसे दिशा देने की ज़रूरत है। यह तय करने की ज़रूरत है कि कहां मशीन रुके और कहां मनुष्य आगे आए। अगर हमने यह संतुलन साध लिया, तो एआई हमारा सहायक बनेगा, प्रतिस्पर्धी नहीं।

कोंपलों का स्वागत करें

अंत में वही बात—जो पेड़ नई कोंपलों का स्वागत नहीं करते, वे ठूंठ हो जाते हैं। लेकिन जो पेड़ नई कोंपलों को जगह देते हैं, वे और हरे होते हैं, और मजबूत होते हैं। एआई नई कोंपल है। उसे अपनाइए, लेकिन अपनी जड़ों को मत काटिए। क्योंकि जड़ें ही तय करती हैं कि पेड़ तूफान में गिरेगा या खड़ा रहेगा। मनुष्य अगर अपनी संवेदना, कल्पना और विवेक को बचाए रखे, तो कोई मशीन उसे बेकार नहीं कर सकती। बल्कि वही मशीन, उसी मनुष्य के हाथों में, दुनिया को और बेहतर बना सकती है। यह भी समझना ज़रूरी है कि एआई का सही इस्तेमाल वही कर पाएगा, जिसके भीतर सवाल करने की आदत ज़िंदा है। मशीन जवाब दे सकती है, लेकिन सही सवाल पूछना अब भी मनुष्य की ताक़त है। जो समाज सवाल पूछना छोड़ देता है, वह धीरे-धीरे आदेश मानने वाली मशीनों की कतार में खड़ा हो जाता है। शिक्षा का मक़सद भी अब सिर्फ़ जानकारी देना नहीं, बल्कि विवेक जगाना होना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना होगा कि एआई क्या कर सकता है और क्या नहीं—और उससे भी ज़्यादा, वे खुद क्या कर सकते हैं जो कोई मशीन नहीं कर पाएगी। कला, साहित्य, पत्रकारिता और न्याय जैसे क्षेत्र तभी जीवित रहेंगे, जब उनमें मानवीय दृष्टि बची रहेगी। वरना सब कुछ कुशल, तेज़ और सटीक तो होगा, लेकिन निस्संग और बेरंग।

ट्रम्पवाद के दौर में अमेरिका द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ने से बदलती वैश्विक व्यवस्था और खतरनाक भू-राजनीतिक मिसालें स्थापित नई मिसालें

-ताकत के बल पर संप्रभुता कुचलने से नियमहीन विश्व, संसाधन होड़ और अस्थिर भविष्य उभरता

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की नाटकीय गिरफ्तारी महज़ सुर्खियाँ बटोरने वाला कोई गुप्त अभियान नहीं थी। यह एक साफ़ और खतरनाक संकेत था—मुखर, बेबाक और गहराई से विचलित कर देने वाला—कि डोनाल्ड ट्रम्प जिस तरह की दुनिया को आकार दे रहे हैं, उसमें ताक़त का इस्तेमाल किस तरह किया जा सकता है। वेनेजुएला पर हमला तेज़तर्रार और निर्मम था। अमेरिका ने एक पदस्थ राष्ट्रपति को उसके आवास से उठा लिया। संदेश सीधा था—हमने यह किया, क्योंकि हम ऐसा कर सकते थे। यह घटना सिर्फ़ अमेरिकी विदेश नीति या लैटिन अमेरिका की क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं है। यह पूरी वैश्विक व्यवस्था को कम से कम तीन स्तरों पर नया रूप दे रही है—और वह भी ऐसे तरीक़े से, जो आने वाले वर्षों में दुनिया को ज़्यादा अस्थिर, ज़्यादा असुरक्षित और ज़्यादा अन्यायपूर्ण बना सकता है।

पहली दरार: 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' वाली भू-राजनीति की वापसी

मादुरो की गिरफ्तारी ने यह साफ़ कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय नियम, प्रक्रियाएँ और संस्थाएँ अब अनिवार्य नहीं रहीं। वे अब केवल विकल्प हैं—सजावटी वस्तुएँ, जिन्हें ज़रूरत पड़ने पर नज़रअंदाज़ किया जा सकता है। अमेरिका ने न तो कोई सार्वजनिक सबूत पेश किया, न संयुक्त राष्ट्र या किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था का रुख़ किया और न ही वैधता की तलाश की। उसने एकतरफ़ा कार्रवाई की—क्योंकि उसके पास ताक़त थी। यही ट्रम्प की क्लासिक शैली है—पहले कार्रवाई, बाद में सफ़ाई। घरेलू राजनीति में हम इसे बार-बार देख चुके हैं। कार्यकारी आदेशों की बाढ़, अदालतों से सीधा टकराव, संवैधानिक सीमाओं की खुली परीक्षा और वैधानिक प्रक्रियाओं के प्रति लगभग तिरस्कार। अब यही रवैया विदेश नीति में निर्यात किया जा रहा है। फर्क सिर्फ़ इतना है कि अब इसके नतीजे पूरी दुनिया को भुगतने होंगे। सबसे ख़तरनाक सवाल यही है—अगर दुनिया का सबसे ताक़तवर लोकतंत्र इतनी सहजता से किसी देश की संप्रभुता को रौंद सकता है, तो दूसरों को कौन रोकेगा? चीन को ताइवान के ख़िलाफ़ ज़्यादा आक्रामक होने से कौन रोकेगा? रूस को यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के अपहरण से कौन बाज़ रखेगा? क्षेत्रीय ताक़तें, जो पहले अंतरराष्ट्रीय क़ानून का हवाला देकर संयम बरतती थीं, अब क्यों न कहें कि जब अमेरिका कर सकता है, तो हम क्यों नहीं? यही वह ग़लत मिसाल है, जो अब दुनिया की तमाम राजधानियों तक पहुँच रही है—और यही सबसे बड़ा ख़तरा है।

दूसरा मोड़: प्रभाव क्षेत्रों की पुरानी, खतरनाक राजनीति की वापसी

ट्रम्पवाद एक बार फिर दुनिया को प्रभाव क्षेत्रों (Sphere of Influence) की पुरानी सोच की ओर धकेल रहा है। यह शीत युद्ध की राजनीति का नया संस्करण है—जहाँ विचारधारा की जगह सौदेबाज़ी और दबाव ने ले ली है। ट्रम्प के संकेत साफ़ हैं—पश्चिमी गोलार्ध अमेरिका की जागीर है। वेनेजुएला, कोलम्बिया, क्यूबा—यहाँ तक कि ग्रीनलैंड तक—को संप्रभु राष्ट्रों की तरह नहीं, बल्कि रणनीतिक परिसंपत्तियों की तरह देखा जा रहा है। देशों की इच्छा, उनकी जनता की राय या उनके संविधान—इन सबका महत्व द्वितीयक हो गया है। प्राथमिकता सिर्फ़ यह है कि कौन-सा इलाक़ा किसके नियंत्रण में रहेगा। इतना ही नहीं, पश्चिमी गोलार्ध से बाहर भी अमेरिका का रवैया उतना ही परेशान करने वाला है। यूक्रेन के मामले में ट्रम्प ने रूस के मुक़ाबले की धार को कुंद किया। यूरोप में दशकों पुरानी अमेरिकी गठबंधन संरचनाओं को कमज़ोर किया। नाटो जैसी संस्था, जो सामूहिक सुरक्षा की रीढ़ मानी जाती थी, उसकी उपयोगिता पर ही सवाल खड़े कर दिए। एशिया में ट्रम्प का 'जी-2' का विचार—यानी अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया चलाएँ—और भी ज़्यादा चिंताजनक है। इसका सीधा मतलब है कि बाकी देश सिर्फ़ दर्शक बनकर रह जाएँ। यह बहुपक्षीयता नहीं है। यह वर्चस्व का प्रबंधन है—जहाँ दो ताक़तें नियम तय करें और बाक़ी उन्हें मानने को मजबूर हों। यह सोच न सिर्फ़ छोटे और मध्यम देशों को हाशिये पर धकेलती है, बल्कि संशोधनवादी ताक़तों—जैसे रूस और चीन—को भी यह संदेश देती है कि ताक़त के दम पर दुनिया को फिर से बाँटना अब स्वीकार्य है।

तीसरी दिशा: संसाधनों की खुली होड़ की वापसी

कुछ समय तक ऐसा लगा था कि वैश्विक संघर्ष अब कच्चे संसाधनों की भूख से ज़्यादा विचारधारा, पहचान या सुरक्षा से जुड़े हैं। न यूक्रेन युद्ध तेल के लिए शुरू हुआ था, न ग़ज़ा संघर्ष और न ही दक्षिण एशिया की सीमा झड़पें सीधे संसाधनों से जुड़ी थीं। लेकिन ट्रम्पवाद दुनिया को फिर से उस दौर की ओर ले जा रहा है, जहाँ संसाधन ही राजनीति का केंद्र होंगे। वेनेजुएला के तेल भंडार, ग्रीनलैंड की दुर्लभ खनिज संपदा, मध्य एशिया की ऊर्जा लाइनें—इन सब पर बढ़ती दिलचस्पी इस बात का संकेत है कि आने वाले संघर्षों में नैतिकता या अंतरराष्ट्रीय क़ानून से ज़्यादा महत्व आर्थिक फ़ायदे को दिया जाएगा। यह खुली होड़ सिर्फ़ देशों के बीच नहीं होगी, बल्कि बड़ी कंपनियाँ, सैन्य गठजोड़ और गुप्त समझौते भी इसमें शामिल होंगे। नतीजा यह होगा कि कमज़ोर देशों की संप्रभुता और प्राकृतिक संपदा दोनों ही ख़तरे में पड़ेंगी।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की साख पर संकट

ट्रम्पवाद का एक और गहरा असर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, मानवाधिकार परिषद—ये सब पहले ही सीमित प्रभाव वाले मंच बनते जा रहे थे। लेकिन जब अमेरिका जैसी ताक़तें इन्हें खुलेआम नज़रअंदाज़ करती हैं, तो इनकी साख लगभग ख़त्म हो जाती है। जब नियम तोड़ने वाले को सज़ा नहीं मिलती, बल्कि वह और ताक़तवर बनकर उभरता है, तो नियम मानने वालों को मूर्ख समझा जाने लगता है। यही वह बिंदु है, जहाँ वैश्विक व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ने लगती है।

भारत और विकासशील देशों के लिए सबक

इस बदलती दुनिया में भारत जैसे देशों के सामने सबसे बड़ी चुनौती संतुलन साधने की है। एक तरफ़ अमेरिका है, दूसरी तरफ़ चीन और रूस। ऐसे में किसी एक खेमे में पूरी तरह शामिल होना ख़तरनाक हो सकता है। भारत के लिए ज़रूरी है कि वह रणनीतिक स्वायत्तता को सिर्फ़ नारा न रहने दे, बल्कि उसे व्यवहार में उतारे। बहुपक्षीय मंचों को मज़बूत करना, क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय क़ानून के पक्ष में लगातार आवाज़ उठाना—यही एकमात्र रास्ता है।

ग़लत मिसालों की भारी क़ीमत

मादुरो की गिरफ्तारी एक व्यक्ति या एक देश की कहानी नहीं है। यह उस दुनिया की झलक है, जिसे ट्रम्पवाद गढ़ना चाहता है—जहाँ ताक़त ही सच है, नियम सिर्फ़ सुविधा हैं और नैतिकता एक बोझ।

मनरेगा पर संकट: 125 दिनों के रोजगार के भ्रामक दावों के बीच आजीविका के संवैधानिक अधिकार पर केंद्रित नई बहस

-केंद्र का बढ़ता नियंत्रण पंचायतों की घटती भूमिका और मनरेगा की आत्मा पर सीधा प्रहार

भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद केवल मतदान के अधिकार पर नहीं टिकी है, बल्कि उस गरिमा पर आधारित है जिसके साथ एक नागरिक अपना जीवन जी सके। यह गरिमा तभी संभव है, जब उसे काम, भोजन और सम्मानजनक आजीविका का अवसर मिले। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन के अधिकार की गारंटी देता है और यह अधिकार केवल सांस लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन की शर्तों को भी अपने भीतर समेटे हुए है। सुप्रीम कोर्ट ने 1985 में ओल्गा .टेलिस बनाम बॉम्बे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के ऐतिहासिक फैसले में साफ कहा था कि अगर राज्य नागरिकों को पर्याप्त आजीविका के साधन और काम का अधिकार देने के दायित्व से बचता है, तो जीवन के अधिकार से आजीविका के अधिकार को अलग करना महज़ शब्दों का खेल होगा। अदालत ने स्पष्ट किया था कि आजीविका के बिना जीवन का अधिकार खोखला हो जाता है। यही वह संवैधानिक और नैतिक आधार था, जिस पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की नींव रखी गई।

सामाजिक आंदोलनों की कोख से जन्मा मनरेगा

मनरेगा किसी दान या रहम की योजना नहीं थी। यह कई दशकों तक चले सामाजिक आंदोलनों, मज़दूर संगठनों, महिला समूहों और ग्रामीण गरीबों की लंबी लड़ाई का नतीजा था। संसद ने इसे सर्वसम्मति से पारित किया था, जो अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि यह केवल एक सरकारी स्कीम नहीं, बल्कि एक सामाजिक अनुबंध था। मनरेगा की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि इसने काम के अधिकार को जीवन के अधिकार की अनिवार्य शर्त के रूप में स्वीकार किया। यह सार्वजनिक रोजगार की पुरानी योजनाओं से बिल्कुल अलग था, क्योंकि इसके प्रावधान न्यायालय में प्रवर्तनीय अधिकारों के समान थे। अगर काम नहीं मिला, तो मज़दूर मुआवज़े का हक़दार था। यही इसे एक अधिकार-आधारित कानून बनाता था।

राहत नहीं, दीर्घकालिक विकास का औज़ार

मनरेगा को अक्सर केवल "अकाल राहत योजना" के रूप में पेश किया गया, जबकि इसका दायरा इससे कहीं ज़्यादा व्यापक था। इस कानून की परिकल्पना में— पानी के स्रोतों का पुनरुद्धार, जल संरक्षण, ग्रामीण संपर्क सड़कों का निर्माण, भूमि सुधार, पर्यावरण संरक्षण, सूखा और संकट से निपटने की क्षमता बढ़ाना, जैसे दीर्घकालिक और सतत संपत्तियों के निर्माण को शामिल किया गया था। इसका मकसद केवल मज़दूरी देना नहीं था, बल्कि गांवों की आर्थिक और पारिस्थितिक मजबूती को बढ़ाना था, ताकि ग्रामीण भारत बार-बार संकट की मार न झेले।

सकारात्मक परिणामों की ठोस गवाही

मनरेगा के शुरुआती वर्षों में इसके प्रभाव साफ दिखाई दिए। विभिन्न अध्ययनों और सर्वेक्षणों ने इसके सकारात्मक नतीजों को दर्ज किया। श्रमिकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, ग्रामीण क्षेत्रों में कुल मिलाकर गरीबी घटी, कृषि के ऑफ-सीजन में दलित और आदिवासी परिवारों की खपत में लगभग 30% तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई, इंडिया ह्यूमन डेवलपमेंट सर्वे के अनुसार, मनरेगा से जुड़ी लगभग 45% महिला श्रमिक ऐसी थीं जो या तो पहले बिल्कुल काम नहीं करती थीं या केवल पारिवारिक खेतों तक सीमित थीं। मनरेगा के तहत महिलाओं की औसत भागीदारी लगभग 55% रही, जो किसी भी सार्वजनिक योजना के लिए असाधारण आंकड़ा है। यह योजना महिलाओं के लिए सिर्फ़ आय का स्रोत नहीं बनी, बल्कि आत्मसम्मान, स्वतंत्रता और सामाजिक पहचान का माध्यम भी बनी।

वैश्विक मान्यता और कोविड काल की भूमिका

दिलचस्प बात यह है कि जिस मनरेगा को कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने "विकास में बाधा" कहा था, उसी विश्व बैंक ने 2014 में इसे ग्रामीण विकास का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। यह बदलाव इस बात का संकेत था कि ज़मीनी सच्चाइयों ने आलोचकों की सोच को भी बदल दिया। कोविड-19 महामारी के दौरान मनरेगा ने अपनी उपयोगिता सबसे ज़्यादा साबित की। जब शहरों से लाखों मज़दूर पैदल गांव लौटे, तब मनरेगा ही उनके लिए आख़िरी सहारा बना। उस दौर में इस योजना ने न केवल रोज़गार दिया, बल्कि सामाजिक अस्थिरता को भी काफी हद तक रोका।

मनरेगा को कमजोर करने की सुनियोजित कोशिशें

इसके बावजूद, पिछले कुछ वर्षों से मनरेगा को धीरे-धीरे कमज़ोर करने के संकेत मिलते रहे हैं। सबसे बड़ा हथियार बना— अपर्याप्त बजट आवंटन। लगातार कम बजट की वजह से— मज़दूरी भुगतान में भारी देरी हुई, कई बार महीनों तक मज़दूरों को पैसा नहीं मिला, वित्त मंत्रालय ने खुद इस देरी को स्वीकार किया, बजटीय सीमाओं के चलते अधिकारियों ने काम की राशनिंग शुरू कर दी। यह दो तरीकों से हुई— ज़्यादा परिवारों को कम दिनों का काम देना, कम परिवारों को ज़्यादा दिनों का काम देना, दोनों ही स्थितियों में काम के अधिकार का हनन हुआ। मज़दूरों, शोधकर्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बार-बार इन अधिकार-वंचित करने वाले कदमों की ओर ध्यान दिलाया, लेकिन नीतिगत स्तर पर कोई ठोस सुधार नहीं हुआ।

तकनीक के नाम पर बहिष्कार

मनरेगा में फोटो-आधारित उपस्थिति ऐप और जटिल भुगतान प्रणालियों को लागू किया गया। तकनीक पारदर्शिता के लिए हो सकती है, लेकिन जब वह— नेटवर्क न होने पर काम रोक दे, बुज़ुर्ग, अशिक्षित या गरीब मज़दूरों को बाहर कर दे, भुगतान को और जटिल बना दे, तो वह सुविधा नहीं, बाधा बन जाती है। इन प्रणालियों ने बड़ी संख्या में पात्र मज़दूरों को व्यवस्था से बाहर कर दिया।

बिना परामर्श के नया कानून

इसी पृष्ठभूमि में सरकार ने एक नया कानून बिना व्यापक परामर्श के संसद में पारित कर दिया। यह न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अनदेखी है, बल्कि मनरेगा की आत्मा पर सीधा प्रहार भी है। नए कानून की धारा 5(1) सरकार को यह तय करने का मनमाना अधिकार देती है कि सार्वजनिक कार्य— कहां होंगे, क्या होंगे और कैसे होंगे, इससे पंचायत राज व्यवस्था की स्वायत्तता लगभग खत्म हो जाती है और केंद्र सरकार को अपार शक्तियां मिल जाती हैं।

केंद्र का बढ़ता नियंत्रण, राज्यों की घटती भूमिका

धारा 4(5) के तहत अब केंद्र सरकार यह तय करेगी कि किस राज्य को कितना आवंटन मिलेगा। सांसद मनोज झा के शब्दों में, यह कानून— "नागरिक-केंद्रित, मांग-आधारित व्यवस्था को उलटकर आदेश-आधारित बना देता है।" इससे मनरेगा एक अधिकार-आधारित कानून न रहकर केंद्र प्रायोजित, आवंटन-आधारित मॉडल में बदल जाता है।

राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन:

विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में कानून व्यवस्था की निर्णायक भूमिका

-राष्ट्र सेवा के समर्पित भाव से पुलिसिंग को बनाएं मजबूत - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सुदृढ़ कानून व्यवस्था की निर्णायक भूमिका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार ने औपनिवेशिक मानसिकता से बनाए गए पुराने कानूनों को बदलकर तीन नए कानून बनाए हैं। उन्होंने कहा कि नई न्याय संहिता में त्वरित न्याय की अवधारणा से लोगों का विश्वास और मजबूत हो रहा है। शर्मा गुरुवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में 'विकसित भारत में पुलिस व्यवस्था' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रदेश की कानून व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2023 के मुकाबले अपराधों में 15 प्रतिशत, हत्या के प्रकरणों में 25 प्रतिशत, लूट के प्रकरणों में 50 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं महिला अत्याचार में 10 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विरुद्ध अत्याचार में 28 प्रतिशत की कमी आई है।

युवा दिवस पर विद्यार्थियों को कराएं थानों की विजिट

मुख्यमंत्री ने कहा देश में लागू हुए तीनों नए कानूनों के क्रियान्वयन के तहत प्रदेश में चरणबद्ध रूप से 7 वर्ष से अधिक सजा वाले मामलों में जांच एफएसएल के माध्यम से कराने के लिए थानों को सुदृढ़ किया जा रहा है। साथ ही, एफआईआर, ई-एफआईआर और चार्जशीट के ई-रिकॉर्ड अपडेट से लेकर अदालत के निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि आने वाले युवा दिवस (12 जनवरी) पर विद्यार्थियों को थाने की विजिट करवाएं और थानों की कार्यप्रणाली तथा नये कानूनों से उन्हें अवगत करवाएं। नई पीढ़ी को विद्यार्थी जीवन में ही नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा, पुलिसिंग आदि की जानकारी दी जाए।

संगठित अपराधों पर लगे अंकुश, सोशल मीडिया गतिविधियों की हो स्क्रीनिंग

मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठित अपराध को रोकने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है तथा इन पर पूरी तरह अंकुश लगाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी गैंगस्टर्स के लिए की जाने वाली पोस्ट की स्क्रीनिंग कर ऐसे लोगों की निगरानी और समझाइश की जाए। साथ ही, उन्होंने नशे की रोकथाम एवं नशे की तस्करी को जड़ से खत्म करने के लिए भी जोर दिया। उन्होंने पुलिस द्वारा साइबर अपराध के विरूद्ध की जा रही कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई कर आमजन का यह विश्वास बहाल रखना हमारी जिम्मेदारी है।

बेहतर कानून व्यवस्था से प्रदेश में बना निवेश का वातावरण

शर्मा ने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था से प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। किसी भी प्रदेश में विकास एवं निवेश सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के बिना संभव नहीं है। हमारी सरकार ने पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया। समिट के दौरान हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे प्रदेश में निवेश का सुरक्षित वातावरण बना है।

पुलिस कल्याण के लिए उठाए गए बेहतर कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पुलिस बल को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठा रही है और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास कर रही है। हम पुलिस आधुनिकीकरण व संबंधित आधारभूत संरचना के लिए 200 करोड़ रुपये का फंड गठित करने जा रहे हैं। इसी तरह 350 करोड़ रुपये की लागत से सरदार पटेल सेंटर फॉर साइबर कंट्रोल रूम एवं राजस्थान पुलिस तकनीकी प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने कांस्टेबल से सहायक उप निरीक्षक स्तर तक के कार्मिकों के वर्दी भत्ते एवं पुलिस निरीक्षक तक के अधिकारियों के मैस भत्तों में बढ़ोतरी की है। साथ ही, पुलिस को और अधिक प्रभावी एवं कार्यदक्ष बनाने हेतु करीब 60 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी की गई हैं।

राजस्थान पुलिस अकादमी का देश में प्रथम स्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस प्रशिक्षण के नवाचारों ने प्रदेश को नई पहचान दिलाई है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत सरकार के उपक्रम क्षमता संवर्धन आयोग द्वारा राजस्थान पुलिस अकादमी को उत्कृष्ट संस्थान का दर्जा दिया गया है। यह अकादमी सभी राज्यों के पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में उत्कृष्ट संस्थान का दर्जा प्राप्त करने वाली प्रथम अकादमी बनी है। उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि इसी समर्पित भाव से राष्ट्र एवं समाज की सेवा करते हुए पुलिसिंग को मजबूत करें और नई आपराधिक न्याय प्रणाली के क्रियान्वयन में प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाएं।

हमारी खुशी किसी बेजुबान पक्षी की चोट या मृत्यु का कारण नहीं बने - जोराराम कुमावत

-चाइनीज मांझे के विक्रय, भंडारण एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश जारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मकर संक्रांति के अवसर पर पतंगबाजी के दौरान आमजन एवं पशु-पक्षियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा नायलॉन/सिंथेटिक सामग्री से बने चाइनीज मांझे तथा कांच अथवा लोहे के चूर्ण से लेपित घातक धागों के विक्रय, भंडारण एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश जारी किए गए हैं। पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मकर संक्रांति हमारा पारंपरिक पर्व है, लेकिन हमारी खुशी किसी बेजुबान पक्षी की चोट या मृत्यु का कारण नहीं बननी चाहिए। चाइनीज मांझे से होने वाली दुर्घटनाओं एवं पशु-पक्षियों की दर्दनाक मृत्यु किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आमजन से अपील है कि पतंग उड़ाने के लिए केवल सुरक्षित एवं वैकल्पिक सूती धागों का ही उपयोग करें तथा सुबह-शाम के समय, जब पक्षियों की आवाजाही अधिक होती है, पतंगबाजी से परहेज करें। पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि इस संबंध में एनजीटी के आदेशों के अनुरूप सभी जिला कलेक्टरों एवं पुलिस विभाग को प्रतिबंध आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने तथा उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी जिलों में विशेष पक्षी चिकित्सा एवं बचाव शिविर लगाने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। विभाग ने आमजन से अपील की है कि पक्षियों की उड़ान के प्रमुख समय सुबह 6 से 8 बजे तथा शाम 5 से 7 बजे के दौरान पतंगबाजी से परहेज करें।

रविवार को सुभाष चौक में लगेगा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया वर्कसाज़ान एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से रविवार, 11 जनवरी 2026 को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर चौहान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, जयपुर के सहयोग से लगाया जा रहा है।यह चिकित्सा शिविर सुनहरी मस्जिद के पास, मोहल्ला पन्नीगरान, सुभाष चौक में आयोजित होगा। शिविर का समय दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। शिविर में जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, ऑर्थोपेडिक, स्त्री एवं प्रसूति रोग, किडनी, मूत्र व पथरी रोग से संबंधित विशेषज्ञ डॉक्टर मरीजों को निःशुल्क परामर्श देंगे।इस दौरान डायबिटीज, हृदय रोग, ब्लड प्रेशर, थायराइड, पेट व लिवर की बीमारी, सांस की बीमारी, डेंगू, एनीमिया, पीलिया, अस्थमा, गठिया, टीबी, टायफाइड सहित सभी मौसमी बीमारियों की जांच की जाएगी। इसके अलावा अपेंडिक्स, हर्निया, पाइल्स, फिस्टूला, पित्त की थैली, किडनी व पेशाब की पथरी, प्रोस्टेट, जोड़ों व रीढ़ की समस्याएं, घुटना व कमर दर्द, खेल चोट, स्त्री रोग, निःसंतानता, PCOS, फाइब्रॉइड्स, सामान्य व ऑपरेशन से डिलीवरी और लैप्रोस्कोपिक सर्जरी से जुड़ा परामर्श भी दिया जाएगा। शिविर में मुख्यमंत्री आयुष्मान (भामाशाह) योजना, सरस डेयरी एवं सभी TPA की सुविधा उपलब्ध रहेगी।शिविर के आयोजन में डॉ. अब्दुल वसी चौधरी, वकार अहमद, अब्दुल मनान पटेल, शकील पटेल, रजाउल्लाह पटेल, गुलाम रसूल पटेल, शफीक पटेल और मो. नासीर पटेल का विशेष सहयोग रहेगा।आयोजकों ने लोगों से अपील की है कि वे शिविर में आते समय आधार कार्ड, जन आधार कार्ड और पुरानी जांच रिपोर्ट साथ लेकर आएं।अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9024414145 पर संपर्क किया जा सकता है।

अंग्रेजी नववर्ष पर एएसपी रणवीर मीणा का किया गया सम्मान

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। अंग्रेजी नववर्ष के अवसर पर जयपुर ग्रामीण के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शाहपुरा) रणवीर मीणा का मनोहरपुर में आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व सरपंच प्रतिनिधि कैलाश चंद मीणा ने उनसे सुखद मुलाकात कर राजस्थानी परंपरा के अनुसार चुनरी, साफा और माला पहनाकर सम्मानित किया।

सड़क पर कचरा फेंकते कैमरे में कैद हुए लोग, नगर निगम ने घर पहुंचाया चालान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर को स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए नगर निगम जयपुर द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशों के बाद स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से शहरभर में 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। सड़कों पर कचरा फेंकने वालों को अब किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

बाजारों में लगे स्मार्ट कैमरों से प्राप्त फोटो और वीडियो फुटेज के आधार पर नगर निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को चांदपोल, गणगौरी बाजार और त्रिपोलिया बाजार क्षेत्रों में दुकानदारों और आमजन द्वारा सड़क पर कचरा फैलाते हुए लोगों को कैमरों में ट्रेस किया गया। इस पर नगर निगम की टीम ने एक ही दिन में नौ अलग-अलग स्थानों पर सड़क पर कचरा फेंकने की घटनाओं को चिन्हित किया। नियमों के उल्लंघन पर संबंधित लोगों के

खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 10,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया तथा चालान सीधे उनके घर तक भिजवाए गए। नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। निगम ने शहरवासियों और व्यापारियों से अपील की है कि वे कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालें, सड़क पर गंदगी न फैलाएं और स्वच्छ जयपुर अभियान में सहयोग करें।

विशेष निरोधात्मक अभियान, अवैध मदिरा पर कार्रवाई - वॉश नष्ट, हथकड़ शराब जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत कार्रवाई जारी है। आबकारी आयुक्त नकाते के निर्देशानुसार अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन ओपी जैन एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत के सुपरविजन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए कार्रवाई जारी है। प्रदेश में आबकारी निरोधक दलों द्वारा दबिश, गश्त, नाकाबंदी की कार्रवाई करते हुए अवैध मदिरा बरामद कर नियमानुसार अभियोग दर्ज किए गए। बांसवाड़ा के कुशलगढ़ क्षेत्र में आबकारी निरोधक दल की दबिश कार्रवाई में 2300 लीटर वॉश नष्ट किया एवं अवैध हथकड़ शराब की 111 बोतल सीज की गई। मौके से 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर नियमानुसार अभियोग दर्ज किए। धौलपुर के बाड़ी क्षेत्र में गश्त के दौरान अवैध शराब में लिप्त एक मोटरसाईकल एवं एक स्कूटी को जब्त किया साथ ही एक डीप फ्रीज में अवैध मदिरा बरामद की। मौके से 2 अभियुक्त को गिरफ्तार कर अभियोग दर्ज किए। चूरू जिले में गश्त व

दबिश की कार्रवाई के तहत 141 पव्वे देशी मदिरा, 17 लीटर हथकड़ शराब जब्त की साथ ही 370 लीटर वॉश नष्ट किया गया। जयपुर जिले में जयपुर ग्रामीण आबकारी टीम द्वारा कार्रवाई कर 30 लीटर हथकड़ शराब जब्त की साथ ही 2700 लीटर वॉश एवं 3 भट्टियां भी नष्ट की गई। कार्रवाई में मौके पर शराब बनाने के उपकरण भी नष्ट किए। नागौर के मेड़ता सिटी क्षेत्र के रावलियावास, कितलसर, चांदा रून, मीठड़िया कला, चुवा, चूही एवं साजू में दबिश की कार्रवाई में 700 लीटर वॉश नष्ट करते हुए 15 लीटर अवैध हथकड़ शराब जब्त की। इस दौरान हाईवे पर ढाबों, होटलों पर भी सघन जांच की गई। इसी प्रकार प्रदेश में अन्य जिलों में भी आबकारी निरोधक दलों द्वारा नाकाबंदी, गश्त एवं दबिश की कार्रवाई कर अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर कार्रवाई की जा रही है।

मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान:

डोटासरा की अगुवाई में PCC की विस्तारित कार्यकारिणी बैठक, 10 जनवरी से प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण भारत में गरीबों के काम के अधिकार की रक्षा हेतु मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान की तैयारी हेतु राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी की विस्तारित कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक हरीश चन्द्र तोतूका सभागार भवन जयपुर पर ली। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, एआईसीसी के सचिव एवं सह प्रभारी राजस्थान रित्विक मकवाना, मध्यप्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर, दानिश अबरार, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी, डॉ. बी.डी. कल्ला, डॉ. चन्द्रभान सहित कांग्रेस सांसद, विधायक, विधायक प्रत्याशी, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य, जिलाध्यक्ष, विधानसभा ऑब्जर्वर, निगम बोर्डों के पूर्व चेयरमेन, अग्रिम संगठन तथा विभाग/प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष शामिल रहे। बैठक को सम्बोधित करते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत् दिनांक 10 जनवरी, 2026 से 06 फरवरी, 2026 तक प्रदेश के सभी जिलों, ब्लॉक और मण्डल स्तर पर चलने वाले कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करते हुए सभी उपस्थित पदाधिकारियों, विधायकों को इन कार्यक्रमों के क्रियान्वन हेतु निर्देशित किया। डोटासरा ने कहा कि मनरेगा योजना को समाप्त कर भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने देश के गरीब मजदूर जो ग्रामीण क्षेत्रों में रहते है की आजीविका पर प्रहार किया है। कांग्रेस संसदीय दल की नेता श्रीमती सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह ने देश के गरीब मजदूरों को सिर उठाकर स्वाभिमान से जीने का अधिकार दिया था किन्तु भाजपा की सरकार ने इस योजना को समाप्त

कर देश में गरीबों से काम का अधिकार छीना और गरीब मजदूरों को शोषण हेतु छोड़ दिया है। कांग्रेस सरकार द्वारा मनरेगा कानून लागू कर गारंटी दी थी कि मांगते ही ग्रामीण क्षेत्र में काम मिलेगा और यदि काम नहीं है तो मानदेय मिलेगा, इससे भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली थी और देश में मजदूरों के पलायन की रोकथाम करने में सहायता मिली थी। मनरेगा से गरीब को उद्यो गपतियों के शोषण से मुक्ति मिली थी क्योंकि इस योजना के तहत् निश्चित मजदूरी मिलना तय था। भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने उद्योमगपतियों के दबाव में इस योजना को खत्म करने का कार्य किया है जो कि भारत के गरीब मजदूरों के हितों पर कुठाराघात है। कांग्रेस पार्टी हमेशा देश के गरीब व मजदूरों के अधिकार और हित की लड़ाई लड़ती आयी है इसलिए मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना को समाप्त करने के केन्द्र सरकार के फैसले के विरुद्ध पूरे प्रदेश में जिला, ब्लॉक व मण्डल स्तर पर कांग्रेस कार्यकर्ता अपना विरोध दर्ज करवाते हुए जन-जागरण अभियान चलाएंगे। कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत् घर-घर जाकर मनरेगा योजना के तहत् मिलने वाले लाभों तथा केन्द्र सरकार द्वारा किस प्रकार इस योजना को समाप्त कर गरीब के हितों पर कुठाराघात किया यह जानकारी आमजनता के बीच पत्रक के वितरण द्वारा और गोष्ठियों के द्वारा प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की सोच में गरीब कल्याण नहीं है उद्योंगपतियों का हित छिपा है इसीलिए मनरेगा जैसी योजना को बंद कर नई योजना केन्द्र ने लागू की है और यह निर्णय लिया है कि गरीब के मांगने पर नहीं केन्द्र सरकार द्वारा चिन्हित स्थानों पर ही कार्य दिया जाएगा जिसका तात्पर्य है कि अब केन्द्र सरकार की ईच्छा पर काम मिलना निर्भर होगा जबकि पहले मांगने पर काम देना आवश्यक था। डोटासरा ने सभी जिलाध्यक्षों, विधानसभा समन्वयकों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इस अभियान के तहत् विभिन्न चरणों में आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रम सफल बनाने हेतु क्षेत्रों में जाएं और प्रतिदिन के कार्यों की रिपोर्ट कांग्रेस वॉर रूम को प्रेषित करें। अभियान के तहत् समस्त कार्यक्रमों में यथासंभव क्षेत्र के विधायक एवं सांसद शामिल हों। उन्होंने कहा कि वे स्वयं अपने विधानसभा क्षेत्र की सभी पंचायतों में समय-समय पर जाकर पदयात्रा निकालेंगे, इसी प्रकार सभी जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्रों में पदयात्रा निकालनी चाहिए। डोटासरा ने प्रस्तावित किया है कि प्रदेश के सभी बूथों पर मनरेगा से संबंधित कार्य करने वाले कांग्रेस विचारधारा के व्यक्ति को मनरेगा योद्धा के रूप में नियुक्त किया जाएगा। बैठक को नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, मध्यप्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, एआईसीसी सह प्रभारी राजस्थान रित्विक मकवाना, एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर, दानिश अबरार, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. बी. डी. कल्ला एवं डॉ. चन्द्रभान ने भी सम्बोधित किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने एक करोड़ से अधिक के सड़क विकास कार्यों का किया शुभारंभ

जयपुर। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को अजमेर की चौधरी कॉलोनी में लगभग एक करोड़ रुपए से अधिक की लागत से किए जाने वाले विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए आधारभूत ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सड़कें किसी भी क्षेत्र की जीवन रेखा होती हैं, जो आवागमन को सुगम बनाने के साथ व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच को भी सशक्त करती हैं। उन्होंने कहा कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से सभी वार्डों में सड़क, नाली, विद्युत एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। देवनानी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की निरंतरता बनाए रखते हुए हर मोहल्ले तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

रैन बसेरों में जरूरतमंदों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध

-आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने किया रैन बसेरों का औचक निरीक्षण, सतत मॉनिटरिंग के दिये निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर द्वारा शहर में संचालित रैन बसेरों में जरूरतमंद एवं निराश्रित व्यक्तियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रैन बसेरों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए जरूरतमंदों को सहायता प्रदान की जा रही है। सर्दी के मौसम को देखते हुए निगम अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं की निरंतर मॉनिटरिंग भी की जा रही है। बुधवार को रात्रि में आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने जे.के लोन अस्पताल के गेट के पास, सांगानेर पुलिया के नीचे, गांधी नगर रेल्वे स्टेशन के सामने, महारानी फार्म पुलिया के नीचे रैन बसेरों का औचक निरीक्षण दिया एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। गौरतलब है कि नगर निगम जयपुर द्वारा वर्तमान में शहर में 12 स्थायी एवं 13 अस्थायी रैन बसेरों, कुल 25 रैन बसेरों का संचालन किया जा रहा है। इन रैन बसेरों में जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क ठहराव, गर्म बिस्तर, कंबल, अलाव, स्वच्छ पेयजल एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि सर्दी के मौसम में कोई भी व्यक्ति खुले में रहने को विवश न हो। निगम कर रहा व्यापक इंतजाम, रात्रि में गश्त कर खुले में सोने वाले लोगों को करा रहे सुविधा उपलब्ध निगम के डे यूएनएलएम उपायुक्त श्याम लाल

जांगिड़ ने बताया कि रैन बसेरों में निगम प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए है। रैन बसेरों में आमजन की सुरक्षा के लिए होमगार्ड कर्मियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। जरूरतमंदों को रजिस्टर में सामान्य जानकारी दर्ज कर उसे ठहराया जा रहा है। इसके साथ ही, रात्रिकालीन गश्त के दौरान खुले में सो रहे व्यक्तियों को निगम कर्मियों एवं होमगार्ड्स द्वारा रैन बसेरों तक पहुंचाया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने जे.के लोन अस्पताल के बाहर, सांगानेर पुलिया के नीचे, गांधी नगर रेल्वे स्टेशन के सामने, महारानी फार्म पुलिया के नीचे रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। आयुक्त ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता है कि सर्दी के मौसम में कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति खुले में न रहे। रैन बसेरों में उपलब्ध व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जा रही है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

ईमित्र कलेक्शन कर्मचारी से 5 लाख रुपये की लूट का पर्दाफाश, 4 गिरफ्तार, 1 नाबालिग निरुद्ध

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर उत्तर के थाना जयसिंहपुरा खोर क्षेत्र में 29 दिसंबर 2025 को सुपर बाजार के पास ईमित्र कलेक्शन कर्मचारी के साथ हुई लगभग 5 लाख रुपये की लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया। घटना में दो बदमाश मोटर साइकिल पर सवार होकर बैग लूटकर फरार हो गए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर प्रथम) नीरज पाठक आरपीएस और सहायक पुलिस आयुक्त वृत्त आमेर सुरेन्द्र सिंह राणावत आरपीएस के निर्देशन में विशेष टीमें गठित की गईं।

वारदात का तरीका

अभियुक्तों ने लूट की योजना पहले ही बना ली थी। उन्होंने 4–5 दिन तक ईमित्र कलेक्शन कर्मचारी की आने-जाने की आदतों और कलेक्शन समय का रैकी किया। 29 दिसंबर को कलेक्शन प्राप्त करने के बाद कर्मचारी जा रहा था, तभी अपराधियों ने सुपर बाजार में पीछा कर रुपयों से भरा बैग छीन लिया और संकरी गलियों से भागकर फरार हो गए।

पुलिस कार्यवाही

पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया, 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच

की और अभियुक्तों के मार्ग का पता लगाया। अपराधी जामडोली रोड, रोहित नगर और उज्जैन तक फरार हुए। लगातार पीछा करने के बाद मध्यप्रदेश के उज्जैन से अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। सहयोग करने वाले नाबालिग को भी निरुद्ध किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त

हेमंत सिंह नरुका, 20 वर्ष, जय विहार कोलोनी, जयपुर

शिव सैन उर्फ बाबू, 22 वर्ष, केशव नगर, जयपुर

हिमांशु सैनी, 23 वर्ष, लल्लू नगर, रोहित नगर, जयपुर

दीपेश सोनी, 19 वर्ष, ग्राम गुढा कटला, जिला दौसा

गठित टीम

थानाधिकारी राजेश कुमार पु.नि. के नेतृत्व में हरिनारायण, विजयराम, ओमप्रकाश, मनोज कुमार, शंकर राम, दिनेश कुमार, डूंगरसी, सुभाष चंद, राजू चौधरी, कानाराम, मोहन लाल, अजीत कुमार, गंगाधर और हनुमान सिंह सहित कई अधिकारी शामिल रहे।

मांगरोल: राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

-उद्घाटन मैच सावा व राजसमन्द के बीच खेला गया

शब्बीर हुसैन

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । मांगरोल नगर की जनता के सहयोग से आजाद क्लब के तत्वावधान में आयोजित की जाने वाले चार दिवसीय राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ गुरुवार को बावड़ी ग्राउंड बारां रोड़ पर दोपहर 12 बजे हुआ। आयोजन समिति के अध्यक्ष सलाम पठान व प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद इलियास ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि नरेश सिंह सिकरवार जिला अध्यक्ष भाजपा बारां रहे। अध्यक्षता जयेश गालव जिला उपाध्यक्ष भाजपा बारां, विशिष्ट अतिथि में सुनील गालव सभापति चम्बल परियोजना, निर्मल माथोड़िया प्रदेश उपाध्यक्ष फुटबॉल संघ राजस्थान, प्रेम शंकर पूर्व प्रधान पंचायत समिति अंता, अमित चोपड़ा पूर्व चेयरमैन नगरपालिका मांगरोल, अब्दुल रजाक पूर्व वाईस चेयरमैन नगरपालिका मांगरोल, सेठ मोहम्मद अशफाक सदर ईदगाह कमेटी मांगरोल, डॉ. अब्दुल हमीद पूर्व नगर अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा मांगरोल रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नरेश सिंह सिकरवार जिला अध्यक्ष भाजपा बारां ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। खेल में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखना चाहिए। खेल से शारीरिक के साथ मानसिक विकास भी होता हैं युवा खिलाड़ी निरंतर राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे है। नित्य खेलने से शरीर स्वस्थ और मस्त रहता हैं और काया निरोगी रहती है। अध्यक्षता कर रहे जयेश गालव जिला उपाध्यक्ष भाजपा बारां ने कहा कि खेल को दैनिक जीवन में शामिल करना चाहिए। अतिथियों ने सावा व राजसमन्द टीम के सदस्यों का परिचय लिया। आजाद क्लब के अध्यक्ष असगर अली ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच दोपहर 12 बजे सावा व राजसमन्द के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को खूब रोमांचित किया। सावा की टीम ने दो गोल कर राजसमन्द की टीम को 2 - 0 से हराकर आगे अपनी जगह पक्की की। इसके बाद दूसरा मैच DFA दौसा व मॉर्डन फुटबॉल क्लब अंता के बीच खेला गया। जिसमें DFA दौसा ने 2 - 0 जीत दर्ज की। इसके बाद तीसरा मैच न्यू स्टार क्लब मांगरोल व विजय वीर क्लब कुन्हाड़ी कोटा के बीच खेला गया। जिसमें विजय वीर क्लब कुन्हाड़ी कोटा 5 - 0 से विजय हासिल की। इसके बाद चौथा मैच बारां व बूंदी के खेला गया। जिसमें बारां 2 - 0 से विजय प्राप्त कर आगे जगह बनाई है।इस दौरान मंच संचालन हाजी मास्टर शौकत अली ने किया। कार्यक्रम में आजाद क्लब के सभी पूर्व खिलाड़ी व युवा खिलाड़ियों ने आए हुए अतिथियों का माला साफा व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। दूसरे दिन का पहला मैच सुबह 9 बजे खेला जाएगा।

एन.एस.एस. सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजकीय महाविद्यालय, बारां में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो. भगवान सिंह मीना तथा मुख्य अतिथि डॉ. अविनाश गुप्ता ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण द्वारा किया। उद्घाटन समारोह में अध्यक्षीय भाषण में प्रो. भगवान सिंह मीना ने एन.एस.एस. की उपयोगिता व इसके आदर्शों को जीवन में उतारने हेतु प्रेरित किया। प्रबुद्ध इतिहासविद् शिक्षाविद व गांधीवादी विचारक मुख्य अतिथि डॉ. अविनाश गुप्ता ने गांधीजी के सम्पूर्ण व्यक्तित्व व जीवन चरित्र को विस्तार से व्याख्यायित किया।

एन.एस.एस. जिला समन्वयक डॉ. रामकेश मीना ने स्वयंसेवक व सेविकाओं को माई भारत पोर्टल पर इवेंट क्रिएट करना सिखाया व प्रो. विवेक नागर ने एन.एस.एस. के उद्देश्यों को विस्तार से बताया। डॉ. शमशाद अली ने मोटीवेशनल शायरी द्वारा कार्यक्रम का समा बाधां। मंच संचालन प्रो. शुभांगी जैन व प्रो. वी.पी. सिंह ने किया। प्रो. सांवराराम ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. चंदनमल मेघवाल के नेतृत्व में खेल गतिविधियां, एन.एस.एस. क्विज, श्रम दान, ई.एल.सी. शपथ आदि अनेक गतिविधियां हुई। कार्यक्रम मे प्रो. रामकेश मीना, प्रो. भावना मीणा, प्रो. संकेत कुमार, प्रो. रामकुमार मीना, प्रो. हंसराज, प्रो. नवीन, प्रो. विजयपाल सिंह, प्रो. केदार प्रसाद, डॉ. रमन गुप्ता एवं समस्त स्वयं सेवक व सेविकाओं के अलावा अनेक अधिकारी/ कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

खोथांवाली ग्राम सेवा सहकारी समिति में 4.34 लाख का गबन का पहला प्रकरण

-प्रबंधक प्रेमचंद थोरी पर धोखाधड़ी व विश्वासघात का मामला दर्ज

विनोद सोखल

हनुमानगढ़/खोथांवाली (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीणों की मेहनत की कमाई की सुरक्षा का दावा करने वाली सहकारी व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम पंचायत खोथांवाली स्थित ग्राम सेवा सहकारी समिति में करोड़ों रुपये के गबन का सनसनीखेज मामला सामने आया है। समिति प्रबंधक प्रेमचंद थोरी पर खाताधारकों की जानकारी और सहमति के बिना उनकी जमा राशि निकालकर हड़पने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता गुरजीतसिंह पुत्र विचित्र सिंह (50 वर्ष) निवासी वार्ड नं. 2 ग्राम खोथांवाली की रिपोर्ट पर संबंधित थाने में एफआईआर संख्या... 4/2026 दर्ज की गई है। प्रकरण में धारा भारतीय न्याय संहिता 316(5) व अन्य धाराओं मे पंजीबद्ध किया गया है। शिकायत में बताया गया कि ग्राम सेवा सहकारी समिति खोथांवाली में

गुरलालसिंह सहित ईकबाल सिंह, प्रकाश सिंह, ज्वालासिह, ने अलग-अलग तिथियों में अपनी ऋण राशि जमा करवाई थी। प्रेमचंद थोरी द्वारा किसानो से ऋण राशि प्राप्त कर, नो ड्यूज किसानो को दे दिया गया, पर बैंक मे इन किसानो के अभी बकाया राशि मय ब्याज बोल रही है। प्रेमचंद थोरी ने खाताधारकों को फर्जी एफ. डी., बचत खातो से फर्जी तरीके से राशि निकालना,खाताधारकों पर फर्जी ऋण उठाने जैसे अपराध कारित करने के आरोप है। दस्तावेज़ों के अनुसार कुल गबन की राशि 4 लाख 34 हजार 663 रुपये बताई जा रही है। घटना के सामने आने के बाद ग्राम खोथांवाली सहित आसपास के क्षेत्रों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गबन की पूरी राशि पीड़ित खाताधारकों को शीघ्र लौटाई जाए और दोषियों को कड़ी सजा दी जाए, ताकि सहकारी संस्थाओं में आम लोगों का भरोसा कायम रह सके। खोथांवाली ग्राम सेवा सहकारी समिति के व्यवस्थापक प्रेमचन्द थोरी पर गोलूवाला पुलिस ने मामला दर्ज करें जांच कैंचिया चौकी प्रभारी लाल बहादुर को सौंपी गई है।

घमूड़वाली पुलिस की आमजन से अपील, सर्दी व कोहरे में बढ़ सकती हैं चोरी की वारदातें

विनोद सोखल

घमूड़वाली (रॉयल पत्रिका)। सर्दी के मौसम और घने कोहरे को देखते हुए चोरी की घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। इसे लेकर पुलिस थाना घमूड़वाली के थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह ने आमजन से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस मौसम में असामाजिक तत्व चोरी की वारदातों को अंजाम देने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। थानाधिकारी ने आमजन से आग्रह किया है कि यदि किसी भी प्रकार के संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि पर नजर पड़े तो तुरंत पुलिस थाना घमूड़वाली के मोबाइल नंबर 9530433594 पर सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रत्येक गांव में दो चौकीदार नियुक्त करने की अपील की गई है। इससे गांवों में निगरानी बढ़ेगी और चोरों के हौसले पस्त होंगे। पुलिस प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि आमजन के सहयोग से चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है और क्षेत्र में शांति व सुरक्षा बनाए रखी जाएगी।

कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ राजस्थान के प्रदेश सचिव बने सत्येन्द्र कुमार गोयल

बारां (रॉयल पत्रिका) । प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार तथा प्रदेश कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष आमीन पठान के नेतृत्व में राजस्थान कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के संगठनात्मक विस्तार के तहत सत्येन्द्र कुमार गोयल को कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ राजस्थान का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। नियुक्ति की घोषणा के साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं खेल जगत से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। पार्टी नेताओं का मानना है कि सत्येन्द्र कुमार गोयल अपने अनुभव, संगठनात्मक समझ और सक्रिय कार्यशैली से प्रदेश में खेल प्रकोष्ठ को और अधिक सशक्त बनाएंगे तथा खिलाड़ियों की समस्याओं को प्रभावी रूप से संगठन और सरकार तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। प्रदेश सचिव नियुक्त होने पर सत्येन्द्र कुमार गोयल ने इसे संगठन का विश्वास बताते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी उन्हें वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और सहयोग से मिली है। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष आमीन पठान, पूर्व मंत्री एवं अंता विधायक प्रमोद जैन भाया, जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया, बारां-अटरू के पूर्व विधायक

पानाचंद मेघवाल, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामचरण मीणा, पूर्व विधायक करण सिंह राठौर, पूर्व विधायक निर्मला सहरिया, पूर्व जिला उपाध्यक्ष हाजी निजामुद्दीन खान (छबड़ा), पूर्व चेयरमैन अंता मुस्तफा खान, जिला उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, पूर्व पार्षद एवं वर्तमान नगर अध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज, कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा, कांग्रेस महामंत्री कैलाश जैन, पार्षद राजेंद्र गहलोत, कपिल जैन, विकास अग्रवाल, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी, डॉ. सीमा मांगरोल, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, पूर्व हज चेयरमैन हाजी लियाकत अली मेव, पूर्व पार्षद अख़लाक़ अंसारी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया।

पंच गौरव के तहत 23 से 25 जनवरी तक होगा राज्य स्तरीय किसान मेला किन्नू महाकुम्भ

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं उद्यान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पंच गौरव के तहत राज्य स्तरीय किसान मेला किन्नू महाकुम्भ का आयोजन 23, 24 व 25 जनवरी 2026 को आवासा रिसोर्ट, सूरतगढ़ बाईपास रोड़, श्रीगंगानगर के सामने आयोजित किया जायेगा। उद्यान विभाग की उपनिदेशक श्रीमती प्रीति गर्ग ने बताया कि किसान महाकुंभ के दौरान 24 जनवरी 2026 को माननीय कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। मेले में राज्य के प्रगतिशील कृषकों जो कि आधुनिक खेती करते हैं, उनके द्वारा विशेष रूप से भाग लेकर अपने अनुभव की जानकारी कृषकों को दी जावेगी। मेले में सर्वश्रेष्ठ किन्नू व सर्वश्रेष्ठ सब्जी प्रतियोगिता का आयोजन किया जावेगा, जिसका मूल्यांकन रंग, आकार, मिठास, वजन, चमक, ताजगी, आकार, गुणवत्ता, रोगमुक्तता के आधार पर किया जावेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने प्रतिभागी अपने खेत की आक्षांश और देशांतर फसल सहित फोटो, जमाबंदी, गिरदावरी प्रस्तुत करेंगे। फसल की पुष्टि संबंधित क्षेत्र कृषि पर्यवेक्षक से प्रमाणित करवाकर कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे तथा फल व सब्जी में प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले कृषकों का सम्मानित किया जावेगा। साथ ही पशु मेले का आयोजन भी किया जावेगा, जिसमें विभिन्न प्रकार नस्लों के पशुपालक भाग लेंगे व मेले में पशुपालकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे दूध, नस्ल इत्यादि का आयोजन किया जावेगा। उन्होंने बताया कि मेले में विभिन्न विभागों व संस्थाओं द्वारा स्टॉलें जैसे नवीनतम कृषि यंत्र, कृषि उत्पाद, उन्नत बीज, दुग्ध उत्पाद, ड्रिप, सौलर, ग्रीन हाउस, शेडनेट हाउस इत्यादि लगाकर इनके बारे में जानकारी दी जावेगी। मेले में कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा कृषकों को उन्नत कृषि के बारे में जानकारी दी जावेगी व कृषकों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान बताते हुये कृषकों की शंकाओं का मौके पर ही समाधान किया जावेगा। इसके अलावा कृषि, उद्यान एवं पशुपालन विभाग द्वारा अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी प्रदान की जावेगी। उद्यानिकी फसलों व खरीफ-रबी फसलों की उन्नत खेती के बारे में जानकारी दी जावेगी। नवाचार करने वाले कृषकों को उद्यान विभाग द्वारा सम्मानित किया जायेगा। लोक सांस्कृति कार्यक्रम का आयोजन भी किया जावेगा।

तेल टैंकर बना शराब तस्करी का जरिया, पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

-सादुलशहर पुलिस की चौंकाने वाली कार्रवाई, 400 पेटी अंग्रेजी शराब-बीयर जब्त

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। तस्करों द्वारा शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए लगातार नये-नये हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, लेकिन पुलिस भी पूरी मुस्तैदी से उनके मंसूबों पर पानी फेरती आ रही है। श्रीगंगानगर के सादुलशहर पुलिस की ताजा कार्रवाई न केवल बड़ी बल्कि बेहद चौंकाने वाली मानी जा रही है। गश्त के दौरान करड़वाला चौराहा के पास पुलिस ने नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान संगरिया की ओर से आ रहे एक तेल के टैंकर को संदेह के आधार पर रुकवाया गया। टैंकर के रुकते ही चालक के घबरा जाने पर पुलिस का शक और गहरा हो गया। जब पुलिस ने

टैंकर के ढक्कन खोलकर जांच की तो अंदर का नजारा देखकर सभी हैरान रह गए — तेल की जगह शराब और बीयर की पेटियां भरी हुई थीं।

भागने की कोशिश, लेकिन पुलिस ने दबोचा:-

कार्रवाई के दौरान टैंकर चालक ने मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन सतर्क पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। आरोपी को आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है।

400 पेटी शराब-बीयर बरामद:-

सादुलशहर थाना प्रभारी मलकीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि टैंकर को थाने लाकर गहन तलाशी ली गई। पूछताछ में चालक ने अपनी पहचान सुरेश पुत्र छगनाराम मेघवाल, निवासी बायतू (बाड़मेर) बताई। टैंकर से अलग-अलग ब्रांडों की अंग्रेजी शराब और बीयर की करीब 400 पेटियां बरामद की गई हैं, जिनकी बाजार कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

गुजरात ले जाई जा रही थी अवैध शराब:-

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि यह अवैध शराब गुजरात ले जाने की योजना थी, लेकिन इससे पहले ही सादुलशहर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दे दिया। पुलिस अब तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में शराब तस्करों में हड़कंप मच गया है।

लोहिया महाविद्यालय में नि:शुल्क 'एस्पायर लीडरशिप प्रोग्राम-2026' आयोजित

-125 से अधिक युवाओं को मिला रोजगारोन्मुखी मार्गदर्शन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू में बेरोज़गार युवाओं के नेतृत्व विकास, कौशल संवर्धन एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के उद्देश्य से एस्पायर इंस्टीट्यूट के सहयोग से एस्पायर लीडरशिप प्रोग्राम 2026 का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के 125 से अधिक विद्यार्थियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मंजू शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक अवसरों से जोड़ने में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. एम. एम. शेख ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए एस्पायर लीडरशिप प्रोग्राम 2026 की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। एस्पायर इंस्टीट्यूट की ओर से डॉ. अजीत योगी ने कार्यक्रम की रूपरेखा,

उद्देश्य एवं लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह नौ सप्ताह का पूर्णतः निःशुल्क ऑनलाइन नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें संप्रेषण कौशल, नेतृत्व क्षमता, रेज्यूमे निर्माण, इंटरव्यू तैयारी एवं करियर मार्गदर्शन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर एस्पायर से जुड़े डॉ. केशव शर्मा एवं डॉ. अभिषेक शर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. अरविंद शर्मा, प्रो. दिनेश चारण, डॉ. प्रशांत कुमार शर्मा, डॉ. रमेश कुमार सनेल, मोनिका शेखावत, वंदना कुमारी, उम्मेद गोठवाल, पूजा प्रजापत एवं विभा पारीक सहित अनेक संकाय सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों का स्पॉट रजिस्ट्रेशन भी किया गया। नोडल अधिकारी डॉ. एम. एम. शेख ने जानकारी दी कि जो विद्यार्थी अभी तक पंजीकरण नहीं करा पाए हैं, वे 21 जनवरी तक पंजीकरण कर सकते हैं। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. शेख के अनुसार यह नौ सप्ताह का पूर्णतः निःशुल्क ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसकी अवधि 04 फरवरी 2026 से 07 अप्रैल 2026 तक निर्धारित की गई है। अंत में महाविद्यालय प्रशासन ने ऐसे कार्यक्रमों को युवाओं के समग्र विकास एवं रोजगारोन्मुख तैयारी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इससे जुड़ने की अपील की।

राजकीय बांगड़ पीजी महाविद्यालय में नशा मुक्ति पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजकीय बांगड़ पी.जी. महाविद्यालय, पाली में नई किरण नशा मुक्ति केंद्र योजना के अंतर्गत एनसीसी/ एनएसएस के सहयोग से नशा मुक्ति विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए नशा मुक्ति पर व्याख्यान एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। राजकीय बांगड़ चिकित्सालय, पाली के एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. ओ.पी. सुथार ने नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा समाज में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उनकी टीम के सदस्य डॉ. चंद्रकांत शर्मा एवं डॉ. बादल सिंह खंगारोत ने सी.पी.आर. से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में इसके महत्व को समझाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 1500 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 800 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 500 रुपये निर्धारित किया गया। प्रतियोगिता में युवराज भट्ट ने प्रथम, शालिनी सिंगाड़िया ने द्वितीय तथा नीतू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में एनएसएस एवं एनसीसी स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर डॉ. रविंद्र सिंह, नई किरण नशा मुक्ति केंद्र योजना के प्रभारी गणेश राम, मंजु देवासी, एनसीसी प्रभारी रामेश्वरलाल, एनएसएस प्रभारी मनीष लोठ एवं गोमाराम सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

गजसिंहपुर में नशा मुक्त जीवन के साथ रक्तदान का आह्वान

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत एवं गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती के उपलक्ष्य में गजसिंहपुर में नशा मुक्त जीवन एवं रक्तदान जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के विक्रम ज्याणी ने विद्यार्थियों को नशें के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया गया। इस अभियान का स्पष्ट संदेश है समाज नशेड़ी नहीं होता, व्यक्ति नशेड़ी बनता है और व्यक्ति के फैसले ही समाज का भविष्य तय करते हैं। नशा किसी एक व्यक्ति की कमजोरी नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज की पीड़ा बन जाता है। जब एक युवा नशे की गिरफ्त में जाता है, तो केवल उसकी जिंदगी नहीं टूटती बल्कि माँ-बाप के सपने, बच्चों का भविष्य और समाज की उम्मीदें भी घायल हो जाती हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि नशे से होने वाली दुर्घटनाएँ, बीमारियाँ और आत्महत्याएँ हमें रोज चेतावनी देती हैं लेकिन हम अक्सर तब जागते हैं जब बहुत देर हो चुकी होती है। रक्तदान के संदेश को नशा मुक्ति से जोड़ते हुए कहा कि हाथ में नशे का जहर नहीं रक्तदान करे तो किसी की जिंदगी बचा सकता है। नशा छोड़ना केवल खुद को बचाना नहीं, बल्कि समाज को जीवन देना है। रक्तदान उस सकारात्मक सोच का प्रतीक है जो नशे की अंधेरी गली से निकालकर सेवा, संवेदना और जिम्मेदारी की राह दिखाता है। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे नशे के खिलाफ सिर्फ नारे न लगाएं, बल्कि अपने जीवन से उदाहरण पेश करें। घर-घर संवाद करें, बच्चों से दोस्ती करें और समय रहते उन्हें सही दिशा दिखाएं। नशा मुक्त समाज किसी सरकार या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, यह हम सबकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। कार्यशाला में पुलिस थाना अधिकारी शालू बिश्नोई, तहसीलदार मुकेश खारिया, मंगत खत्री, जमना देवी खत्री, हरजीत मिगलानी, संजय कैन्थ, हरविंदर पन्नू व सुखचैन सिंह मौजूद रहे। हवलदार तलविंदर सिंह और पुलिस कांस्टेबल प्रवीण कुमार ने साइबर सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के लिए युवाओं को जागरूक किया।

भूल सुधार

दिनांक 8 जनवरी,26 को पेज नं. 4 पर प्रकाशित समाचार "कुतकपुर की सड़क और नालियों की बदहाली ने खोली प्रशासन की पोल" में कुतकपुर के बजाए जमालपुर पढ़ा जावे । गलती के लिए खेद है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा पंचायत समिति परिसर चौथ का बरवाड़ा में जनकल्याणकारी एवं जनउपयोगी सेवाओं से संबंधित शिविर का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के तत्वाधान में गुरुवार को पंचायत समिति परिसर चौथ का बरवाड़ा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम की अध्यक्षता में जनउपयोगी सेवा से संबंधित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने शिविर में राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना, हिट एंड रन योजना, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, नालसा द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओ, न्याय आपके द्वार लोक उपयोगी समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान अभियान, मीडिएशन फॉर द नेशन अभियान, बालविवाह रोकथाम अभियान आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उपस्थित अधिकारीगण एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधिगण को आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के संबंध में निर्देश प्रदान किए गए । इस अवसर पर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट चौथ का बरवाड़ा हेमंत मेहरा सहित स्थानीय पंचायत समिति के समस्त प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

शिविर में चौथ का बरवाड़ा तहसीलदार नीरज सिंह, एसडीएम जोगेंद्र सिंह, विकास अधिकारी पंचायत समिति चौथ का बरवाड़ा इंद्रराज मीणा आदि ने अपने अपने विभागों में संचालित योजनाओं एवं उन योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, चिकित्सा विभाग, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग से उपस्थित प्रतिनिधिगण द्वारा भी अपने विभागों में संचालित योजनाओं एवं उन योजनाओं के आवेदन की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

आयोजित शिविर में मौके पर ही उपखंड अधिकारी चौथ का बरवाड़ा द्वारा 4 व्यक्तियों, शिक्षा विभाग द्वारा 4 व्यक्तियों, समाज कल्याण विभाग द्वारा 4 व्यक्तियों, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा 8 व्यक्तियों, पंचायती राज विभाग द्वारा 13 व्यक्तियों, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा 7 व्यक्तियों, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 व्यक्तियों, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 5 व्यक्तियों, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 5 व्यक्तियों, कृषि विभाग द्वारा 5 व्यक्तियों, इस प्रकार कुल 65 व्यक्तियों को अपने विभागों में संचालित योजनाओं का लाभ प्रदान कर लाभान्वित किया गया।

समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा शिविर के दौरान उपस्थित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, साथिन, आशा सहयोगिनी एवं अन्य आमजन द्वारा अपने क्षेत्र की बताई समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु शिविर में उपस्थित स्थानीय प्रशासनिक अधिकारीगण को निर्देश प्रदान किये गए।

इस दौरान अधिकार मित्र सुनिता जोनवाल, रिंकी सैन, मुकेश कुमार शर्मा, धनराज मीणा, मोरसिंह गुर्जर, गिर्राज रैगर द्वारा कैनोपी लगाकर न्याय आपके द्वार-लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान अभियान के तहत कुल 54 प्रार्थना पत्र भरवाए गए एवं संबंधित दस्तावेज प्राप्त किए गए।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान बना एआई नवाचार का उभरता केंद्र

-राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस भारत के समावेशी, सतत एआई विकास की मजबूत नींव

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में राष्ट्रीय विजन को साकार करने की दिशा में एक ओर ठोस कदम बढ़ाया है। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान एआई नवाचार के उभरते केंद्र के रूप में पहचान बना रहा है। राजस्थान क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि तकनीक.आधारित विकास, समावेशी प्रगति और जनकल्याण के लिए एआई का उपयोग सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। यह सम्मेलन भारत एआई इम्पैक्ट समिट-2026 की तैयारी के क्रम में एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय पड़ाव सिद्ध हुआ। सम्मेलन में संस्थागत सहयोग को नई ऊंचाई देते हुए गूगल, आईआईटी दिल्ली, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा स्किल डेवलपमेंट नेटवर्क (वाधवानी फाउंडेशन) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस बहुपक्षीय साझेदारी का उद्देश्य एआई अनुसंधान, बड़े पैमाने पर कौशल विकास, नैतिक एवं कानूनी ढांचे तथा नवाचार-आधारित इकोसिस्टम को मजबूत करना है, जिससे युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे और राज्य की डिजिटल क्षमताओं में वृद्धि होगी। उच्चस्तरीय रणनीतिक सत्र में अभिषेक सिंह, अतिरिक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सीईओ-इंडियाएआई मिशन एवं महानिदेशक-एनआईसीए ने विशाल धूपर, मैनेजिंग डायरेक्टर-साउथ एशिया, एनवीडिया के साथ संवाद किया। सत्र का संचालन समीर जैन, मैनेजिंग डायरेक्टर, प्राइमस पार्टनर्स ने किया। चर्चा में एआई अवसंरचना के लोकतंत्रीकरण, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को सुदृढ़ करने, नवाचार को व्यापक स्तर पर सक्षम बनाने तथा सुरक्षित और भरोसेमंद एआई के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की क्षमता निर्माण जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इंडियाएआई मिशन

की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सुश्री कविता भाटिया, वैज्ञानिक 'जी', समूह समन्वयक एवं सीओओ-इंडियाएआई मिशन ने भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की दृष्टि और प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि नीति, अवसंरचना और मानव संसाधन विकास के समन्वित प्रयासों से एआई को जनकल्याण से जोड़ा जा रहा है। 'वैश्विक एआई, राष्ट्रीय एआई और क्षेत्रीय एआई' विषय पर अविनाश शर्मा, प्रोफेसर, आईआईटी जोधपुर ने क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्थानीय संदर्भों को समझने वाले समाधान ही वैश्विक स्तर पर प्रभावी सिद्ध होते हैं। सम्मेलन के दौरान शासन, अवसंरचना, नवाचार, नैतिकता और रोजगार जैसे विषयों पर समानांतर सत्र आयोजित किए गए, जिनमें एआई के व्यावहारिक अनुप्रयोगों और जनसेवा में इसके उपयोग पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सरकार की यह पहल राज्य को एआई आधारित नवाचार, कौशल विकास और सतत विकास का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राजस्थान क्षेत्रीय एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस ने यह सिद्ध किया कि राज्य तकनीक को जनहित से जोड़ते हुए भारत के एआई भविष्य में सक्रिय और प्रभावी भूमिका निभाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

साक्षरता के संदेश के साथ सड़क पर उतरा जागरूकता वाहन

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। उल्लास–नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के प्रत्येक वर्ग को साक्षर बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को साक्षरता जागरूकता रथ को जिला कलेक्टर कार्यालय झुंझुनूं से उपखंड अधिकारी झुंझुनूं कौशल्या बिश्नोई एवं जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि उल्लास–नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी नागरिक शिक्षा से वंचित न रहे। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु यह साक्षरता रथ जिले के समस्त ब्लॉकों में भ्रमण कर निरक्षर एवं अल्प साक्षर नागरिकों को पढ़ना–लिखना, दैनिक उपयोगी गणितीय ज्ञान, डिजिटल साक्षरता एवं आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु उल्लास कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह रथ अपने भ्रमण के दौरान जिले के समस्त ब्लॉकों में चिन्हित ग्राम पंचायतों में पहुंचकर बैनर, पोस्टर व ऑडियो संदेशों के माध्यम से साक्षरता के महत्व का प्रचार–प्रसार करेगा। साक्षरता जागरूकता रथ की रवानगी के अवसर पर डाइट व्याख्याता दामोदर जांगिड़, सहायक परियोजना अधिकारी रीना बाई, सहायक सांख्यिकी अधिकारी योगेन्द्र सिंह एवं व्याख्याता अजय सिंह मौजूद रहे।

प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी में भाग लेने के लिए जिले का दल हुआ रवाना

-पाली जिले से 72 रोवर-रेंजर करेंगे राष्ट्रीय जंबूरी में सहभागिता

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारत स्काउट एवं गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में 09 जनवरी से 13 जनवरी 2026 तक प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी का आयोजन जिला बालोद (छत्तीसगढ़) में किया जा रहा है। इस जंबूरी में भाग लेने हेतु पाली जिले का दल आज रवाना हुआ। सी.ओ. स्काउट गोविंद मीणा ने बताया कि इस प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी में देशभर से 15 हजार से अधिक युवा भाग लेंगे। पाँच दिवसीय इस वृहद आयोजन में युवाओं के लिए साहसिक गतिविधियाँ, युवा संसद, कौशल विकास कार्यक्रम, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, एकल एवं संयुक्त प्रतियोगिताएँ तथा स्काउटिंग जीवन से जुड़ी विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रोवर-रेंजर के लिए यह जंबूरी एक ऐतिहासिक अवसर है, क्योंकि पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर रोवर-रेंजर जंबूरी का आयोजन किया जा रहा है। इसे लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। राजस्थान प्रदेश से इस जंबूरी में लगभग 1000 रोवर-रेंजर भाग ले रहे हैं। सी.ओ. गाइड डिंपल दवे ने बताया कि पाली जिले से राजस्थान प्रदेश का सबसे बड़ा रोवर-रेंजर दल इस राष्ट्रीय जंबूरी में सम्मिलित होगा, जिसमें 30 रेंजर एवं 42 रोवर सहित कुल 72 संभागी भाग लेंगे। जिले से रेंजर वर्ग का प्रतिनिधित्व सहायक लीडर ट्रेनर उर्मिला यति एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय की रेंजर लीडर रवीना गोयल द्वारा किया जा रहा है। वहीं रोवर समूह का प्रतिनिधित्व स्थानीय संघ रोहट के सचिव दौलत सिंह तथा जिले के बैंड दल का प्रति. निधित्व लीडर ट्रेनर स्काउट आलोक शर्मा करेंगे। पाली जिले का दल 09 जनवरी 2026 को प्रातः जंबूरी स्थल पर पहुंचकर उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होगा तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं की तैयारियां प्रारंभ करेगा। सी.ओ. स्काउट गोविंद मीणा ने बताया कि जंबूरी में पाली जिले के चंद्राज पब्लिक स्कूल, सोजत रोड का बैंड दल राजस्थान प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करेगा। इसके साथ ही रोवर-रेंजर द्वारा राजस्थान एवं मारवाड़ की संस्कृति, खान-पान, वेशभूषा तथा प्रमुख पर्यटन स्थलों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन किया जाएगा। जिला मुख्यालय पाली से दल के रवाना होने पर राजकीय कन्या महाविद्यालय एवं आदर्श ओपन रोवर क्रू के रोवर-रेंजरों को माला पहनाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाओं के साथ विदा किया।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को बाल विवाह के विरुद्ध किया जागरूक, दिलाई शपथ

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला कलक्टर के निर्देशन में तथा जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक ओमप्रकाश तोषनीवाल के मार्गदर्शन में चाइल्ड हेल्पलाइन टीम एवं रेलवे पुलिस बल के संयुक्त तत्वावधान में रेलवे स्टेशन परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान रेलवे स्टेशन पर उपस्थित यात्रियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई तथा बाल विवाह के विरुद्ध शपथ दिलवाई गई। चाइल्ड हेल्पलाइन टीम द्वारा यात्रियों को बताया गया कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि इससे बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। यात्रियों को अपने आसपास होने वाले किसी भी बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि शिकायतकर्ता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है। विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं चाइल्ड हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी भी साझा की गई। इस अवसर पर चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक नवीन किशोर काकड़दा, काउंसलर करण जीनवाल, सुपरवाइजर नानूराम जाट, केस वर्कर सुश्री सीमा राजोरा तथा रेलवे पुलिस बल से सहायक उप निरीक्षक सुभाष शर्मा एवं हेड कांस्टेबल यादराम मीणा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्थान डिजिफेस्ट–2026 में पाली की टीम 'ग्रीन लोटस' ने एआई हैकाथॉन में प्रथम पुरस्कार जीता

पाली (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के सीतापुरा स्थित जयपुर एग्ज़ीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC) में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट–2026 के अंतर्गत टीआईई ग्लोबल समिट के दौरान 5 जनवरी से आयोजित 36 घंटे के एआई हैकाथॉन में पाली जिले की टीम 'ग्रीन लोटस' ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया। यह एआई हैकाथॉन राजस्थान में तकनीकी नवाचार का एक प्रभावशाली मंच बनकर उभरा, जिसमें राज्यभर से स्टार्टअप्स, युवा डेवलपर्स, उद्यमियों तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (आईटी एंड कम्युनिकेशन) के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। हैकाथॉन में प्रतिभागियों ने चार श्रेणियों में विभाजित समस्या-वक्तव्यों पर कार्य किया। श्रेणी–3 "कृषि, स्वास्थ्य एवं फील्ड इंटेलिजेंस के लिए एआई" के अंतर्गत पाली की टीम ग्रीन लोटस ने उत्कृष्ट समाधान प्रस्तुत करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। आईटी एंड कम्युनिकेशन विभाग, पाली के संयुक्त निदेशक राजेश चौधरी के सानिध्य में सोजत के प्रोग्रामर अंशुमाली पाराशर द्वारा टीम 'ग्रीन लोटस' का गठन किया गया। टीम में प्रधुमन सिंह खिची (प्रोग्रामर, बाली), बुद्धि प्रकाश (प्रोग्रामर, करौली), राजेश बगारिया (प्रोग्रामर, उदयपुर – खान विभाग) तथा छविश बाकोलिया (प्रोग्रामर, करौली) शामिल रहे। टीम ग्रीन लोटस द्वारा प्रस्तुत एआई आधारित समाधान किसानों की गिरदावरी से जुड़ी समस्याओं के समाधान तथा फसल बीमा योजना के क्लेम को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने पर केंद्रित है। इस समाधान में सैटेलाइट से प्राप्त मल्टी-टेम्पोरल डेटा के आधार पर विकसित एआई मॉडल के माध्यम से प्रत्येक खसरा स्तर पर गिरदावरी संभव होगी, जिससे राजस्व अधिकारियों को कार्य में सुविधा मिलेगी तथा किसानों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। यह एआई हैकाथॉन स्टार्टअप्स के लिए एक प्रभावी फीडर इकोसिस्टम के रूप में भी उभरकर सामने आया है। विशेष रूप से यह पहली बार है जब सरकारी कर्मचारियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान हेतु एआई आधारित नवाचार विकसित करने का मंच प्रदान किया गया, जो राजस्थान के डिजिटल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल मानी जा रही है।

जिला कलेक्टर ने किया पीएचईडी कार्यालय का औचक निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने गुरुवार को जलदाय विभाग वृत कार्यालय, हनुमानगढ़ का औचक निरीक्षण कर विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अमृत 2.0 के तहत शहरों में जारी लगभग 98 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति जानी और कार्यों को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप निर्धारित अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन की समीक्षा में बताया गया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 90.88% घरों में नल कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं, जिसके साथ हनुमानगढ़ प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। कलेक्टर ने हर घर जल प्रमाणन की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। आगामी ग्रीष्मकाल को देखते हुए उन्होंने नलकूपों, हैंडपंपों और जल परिवहन से संबंधित सभी कार्य मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। जल गुणवत्ता को लेकर कलेक्टर ने शहरी क्षेत्रों में वार्डवार साप्ताहिक सैंपलिंग और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित नमूना जांच अनिवार्य रूप से करवाने को कहा। राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों का भी उन्होंने संज्ञान लिया और 30 दिन से अधिक लंबित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि गर्मियों में जिले में किसी भी नागरिक को पेयजल संकट का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए विभाग सतत् निगरानी रखे। इस मौके पर एसई विजय कुमार वर्मा मौजूद रहें।

फतेहपुर टोल प्लाजा पर नेत्र जांच एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षित यातायात के उद्देश्य से फतेहपुर टोल प्लाजा पर नेत्र जांच एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला परिवहन अधिकारी एवं सड़क सुरक्षा की नोडल अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा के निर्देशन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान नेत्र विशेषज्ञ डॉ. राम विदेश मीना द्वारा फतेहपुर टोल प्लाजा के कर्मचारियों, दोपहिया वाहन चालकों एवं ट्रक चालकों की आंखों की जांच की गई। इस अवसर पर वाहन चालकों को बताया गया कि सुरक्षित वाहन संचालन के लिए आँखों की अच्छी रोशनी अत्यंत आवश्यक है, कमजोर दृष्टि सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण बन सकती है।

इस दौरान जिला सड़क सुरक्षा समिति की टीम ने आमजन एवं वाहन चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट, वैध ड्राइविंग लाइसेंस के उपयोग तथा सुरक्षित एवं अनुशासित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया। साथ ही सड़क सुरक्षा से संबंधित सूचना पंपलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम में एमवीआई इंस्पेक्टर नवरत्न मीणा, जिला रोलआउट मैनेजर त्रिदेव सेन, एवं एनजीओ प्रतिनिधि हरीश कुमार भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने एवं सड़क सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाने की अपील की। इस आयोजन का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, वाहन चालकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा "सुरक्षित सड़क-सुरक्षित जीवन" के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना से बच रही जिंदगियां

-सड़क हादसे में गंभीर घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर 'नेक इंसानों' को राज्य सरकार दे रही 10 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में संचालित राज्य सरकार की अतिमहत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना जिले में सड़क हादसों में घायल होने वाले लोगों की जिंदगियां बचा रही है। आमजन भी जागरूक होकर अच्छे मददगार बनते हुए घायलों को अस्पताल में पहुंचा रहे हैं। अब तक ऐसे 15 मददगार 'नेक इंसान' सामने आए हैं। जिला कलक्टर डॉ. मंजू के निर्देशों पर मददगारों को प्रोत्साहन राशि व प्रशस्ति पत्र दिए जा रहे हैं। एम्बुलेंस 108 के जरिए भी जिंदगियां बचाई जा रही है। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि सडक दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना लागू की गई, जिसके तहत अनेक लोगों ने सड़क दुर्घटनाओं की तत्काल सूचना दी। 15 लोगों ने योजना के तहत प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन किया, जिनमें से गंभीर घायलों की मदद करने वाले मददगारों को राशि दी गई।

उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर घायल व्यक्ति को न्यूनतम समय (गोल्डन ऑवर) में राज्य के निकटतम सरकारी एवं निजी चिकित्सा संस्थान (अस्पताल/ट्रोमा सेंटर आदि) पहुंचाने वाले भले व्यक्ति को राज्य सरकार पहले पांच हजार रुपए जबकि वर्तमान में 10 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र दे रही है। सीओआईईसी विनोद बिश्नोई ने बताया कि घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाला नेक इंसान द्वारा स्वेच्छानुसार अपनी पहचान आदि देने तथा योजना का लाभ लेने को तैयार होने पर अस्पताल के इमरजेंसी रूम में कार्यरत मेडिकल ऑफिसर की ओर से व्यक्ति का नाम, उम्र, लिंग, पता, मोबाइल नंबर, पहचान पत्र, बैंक डिटेल इत्यादि की जानकारी निर्धारित फॉर्म में भरी जाएगी। मेडिकल ऑफिसर के अतिरिक्त संबंधित थानाधिकारी/उपखण्ड मजिस्ट्रेट द्वारा भी नेक इंसान को इस योजना का लाभ दिलाने की अनुशंसा निदेशक, जन स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं को दुर्घटना के तीन दिवस के अंदर की जाएगी। दुर्घटना में घायल व्यक्ति को निकटतम राजकीय अथवा निजी अस्पताल में पहुंचाने वाले भले व्यक्ति के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने एवं उसकी इच्छानुसार तत्काल अस्पताल से जाने की अनुमति होगी। यदि घायल व्यक्ति गंभीर श्रेणी का है तो उसकी मदद करने वाले वाले भले व्यक्ति को दस हजार रूपए एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। वहीं एक से अधिक भले व्यक्ति होने की स्थिति में सभी को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि सभी को समान रूप से विभाजित की जाएगी। भले व्यक्ति द्वारा सामान्य घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर केवल प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने आमजन से अपील की है कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल उपचार की जरूरत होती है। गंभीर अवस्था में 'गोल्डन ऑवर' बेहद मायने रखते हैं और तत्काल अस्पताल पहुंचाने पर उपचार संभव हो पाता है और जान बचाई भी जा सकती है। राज्य सरकार गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाने वालों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि देकर जागरूकता बढ़ा रही है ताकि राहगीर घबराने या किसी डर की बजाए मदद कर सकें।

"सुगम राह-सुगम रास्ते का अभियान" के तहत बजरिया के मुख्य मार्गों से हटाया अतिक्रमण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद आयुक्त देवेन्द्र कुमार जिन्दल के निर्देशानुसार राजस्व अधिकारी विजेन्द्र मीणा के नेतृत्व में शहर को सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से "सुगम राह-सुगम रास्ते का अभियान" के तहत जिला मुख्यालय पर बजरिया के मुख्य मार्गो से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

राजस्व अधिकारी विजेन्द्र मीणा ने बताया कि नगर परिषद की टीम का गठन कर जमादार मनोज, अशोक सैनी, राधेश्याम, वीरेन्द्र द्वारा बजरिया के मुख्य मार्गो से अतिक्रमण हटवाया गया। इस दौरान टीम द्वारा आम लोगों और व्यापारियों से समझाइश की गई कि कोई भी आम रास्ते पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करें अन्यथा अतिक्रमण हटाकर जुर्माना वसूलने और जब्ती की कार्यवाही की जाएगी।

कार्तिक की जिंदगी में आई नई मिस्ट्री गर्ल

मुंबई। कार्तिक आर्यन का नाम पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ जोड़ा जा रहा है। लेकिन, हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हुईं, जिसके बाद यह अटकलें तेज हो गईं कि कार्तिक आर्यन की जिंदगी में नई मिस्ट्री गर्ल की एंट्री हो चुकी है। कार्तिक आर्यन इन दिनों गोवा में छुट्टियां मना रहे हैं। उन्होंने सोमवार को कुछ तस्वीरें अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट कीं, जिसमें वह बीच (समंदर) किनारे आराम फरमा रहे हैं। सामने एक बीचबॉल गेम का नेट लगा है। बिल्कुल इसी तरह की लोकेशन की फोटो करीना नाम की एक लड़की ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। वह भी गोवा में छुट्टियां मना रही हैं।

लाइफ Style

तारा

15 साल में शुरू की थी एक्टिंग

तारा सुतारिया बॉलीवुड की उन खूबसूरत अदाकाराओं में से एक हैं जिन्होंने छोटे पर्दे से अपना कॅरियर शुरू किया है। तारा ने काफी छोटी उम्र से ही पर्दे पर लोगों का दिल जीता है। इन दिनों तारा 'केजीएफ' स्टार यश के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर काफी चर्चा में हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हाल ही में तारा सिंगर एपी ढिल्लन के कॉन्सर्ट को लेकर काफी विवादों में रहीं। यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में तारा अहम भूमिका में नजर आनेवाली हैं। इस फिल्म में तारा के किरदार का नाम रेबेका है। पोस्टर सामने आते ही तारा सुतारिया के किरदार की जबरदस्त चर्चा है जिसमें उनके हाथ में गन भी दिख रहा है। तारा का इंटेंस लुक काफी इंप्रेसिव है। वैसे तारा उन दर्शकों के दिलों में सालों से हैं जो डिज्नी इंडिया देखकर बड़े हुए हैं।मुंबई में पली-बढ़ीं तारा सुतारिया ने बहुत छोटी उम्र से ही म्यूजिक, डांस और थिएटर की ट्रेनिंग लेकर एक्टिंग करना शुरू कर दिया था। तारा ने साल 2010 में डिज्नी चैनल के शो 'बिग बड़ा बूम' में से में छोटे पर्दे पर कदम रखा था। इसके बाद साल 2011 में आई थी 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा।' साल 2012 में 'बेस्ट ऑफ लक निक्की' का भी हिस्सा रहीं तारा सुतारिया। साल 2012 कॉमेडी शो 'द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' में भी तारा नजर आईं। इस शो में तारा विन्नी मिश्रा यानी विनीता के किरदार में दिखीं और काफी सुर्खियां भी बटोरीं। उन्होंने साल 2013 में 'ओए जस्सी' में भी एक्टिंग की थी। इस शो में तारा ने जसप्रीत का किरदार निभाया था।

हॉलीवुड मसाला

जिमी ने ट्रंप का उड़ाया मजाक

लॉस एंजिल्स। जिमी किमेल को 'बेस्ट टॉक शो' होस्ट के लिए क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड 2026 मिला है। इस दौरान जब वह स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंचे तो अपने अंदाज में अमेरिकी राष्ट्रपति पर चुटकी लेने से बाज नहीं आए। 4 जनवरी को क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड 2026 के मंच पर जिमी किमेल ने डोनाल्ड ट्रंप को पब्लिकली धन्यवाद दिया। लेकिन, उनका अंदाज कुछ ऐसा था कि वहां ठहाके गूंजने लगे। उन्होंने अपने अवॉर्ड जीतने और टॉक शो की सफलता का श्रेय पूर्व राष्ट्रपति के कामों को दिया।

ओडेलिया की प्रिंस से जबरदस्ती हुई शादी

लॉस एंजिल्स। मॉडल मनोहरा ओडेलिया ने मलयेशिया के प्रिंस से अपनी शादी को लेकर अब एक ऐसा बयान जारी किया है जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया है। मॉडल ने बताया कि उनकी शादी उनकी मर्जी के खिलाफ थी। इंडोनेशियन-अमेरिकन मॉडल मनोहरा ओडेलिया ने अपनी जिंदगी के उस सच को दुनिया के सामने रखा है जिसने सभी को झकझोर दिया है। वर्षों तक खामोशी में जीने के बाद मनोहरा ने अब खुलकर कहा है कि उनका नाम जिस 'शाही शादी'से जोड़ा गया, वह न तो उनकी मर्जी से थी और न ही कानूनी रूप से सही थी। साल 2008 में जब उनकी शादी मलयेशिया के केलंतान राज्य के शाही परिवार से जुड़े तेंगकु फाखरी से हुई, तब मनोहरा महज 16 साल की थीं। उस उम्र में जब किसी किशोरी को अपने सपने गढ़ने चाहिए होते हैं।

फिल्मों में जबरस्त वापसी की तैयारी में...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने हाल ही में फिल्मों में जबरदस्त कमबैक करने की तैयारी कर ली है। कंगना ने फैंस के साथ वीडियो साझा करते हुए बताया है कि वो नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर चुकी हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत फिल्मों में जबरदस्त वापसी करने के लिए तैयार हैं। लंबे समय से राजनीतिक जिम्मेदारियों और फिल्मों के बीच संतुलन बनाती नजर आ रहीं कंगना ने अपनी अगली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग शुरू कर दी है। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की और फिल्म के सेट से कुछ झलकियां भी साझा कीं, जिसे देखकर उनके प्रशंसकों में उत्साह साफ नजर आया। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी प्रोडक्शन कंपनी की ओर से शेयर किए गए एक वीडियो को रीपोस्ट किया।

हार्दिक की गर्लफ्रेंड से मिले बिग बी...

मुंबई। हार्दिक पांड्या और उनकी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वो अमिताभ बच्चन के साथ नजर आ रहे हैं। हार्दिक ने बिग बी से अपनी गर्लफ्रेंड का परिचय करवाया। सभी 'यूनाइटेड इन ट्रायम्फ' इवेंट में शामिल हुए थे, जो बीती रात को मुंबई में आयोजित हुआ था। मुंबई में रिलायंस फाउंडेशन की तरफ से बीती रात को 'यूनाइटेड इन ट्रायम्फ' प्रोग्राम का आयोजन हुआ। नीता अंबानी की अध्यक्षता में आयोजित इस इवेंट में क्रिकेट जगत सहित अन्य मशहूर हस्तियों ने भी शिरकत की। अब एक वीडियो सामने आया है, जिसमें हार्दिक पांड्या अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा का परिचय अमिताभ बच्चन से करवा रहे हैं। बिग बी ने क्रिकेटर की तरफ इशारा करते हुए कुछ कहा और तीनों हंस पड़े। ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

टीवी मसाला

स्पेस जेन चंद्रयान सीरीज में भारत का चांद तक का सफर

नई दिल्ली। टीवीएफ इस बार एकदम अलग हटकर वेब सीरीज लेकर आ रहा है, जो इसरो, चंद्रयान, भारत के चांद तक के पहुंचने के मुश्किल सफर को दिखाती है। ये उन वैज्ञानिकों की अनकही कहानी है, जिन्होंने भारत के सपनों को इतिहास में बदल दिया। इस शो में नकुल मेहता से लेकर श्रिया सरन सहित कई सितारे नजर आएंगे। टीवीएफ अपनी पंचायत, कोटा फैक्ट्री, एस्पिरेंट्स सहित अन्य फेमस वेब सीरीज के लिए जाना जाता है। अब ये एक नई सीरीज लेकर आ रहा है, जिसमें भारत के चांद पर पहुंचने का एक मुश्किल सफर दिखाया जाएगा। मंगलवार, 6 जनवरी को इसका टीजर रिलीज कर दिया गया है। शो में श्रयिा सरन, नकुल मेहता, प्रकाश बेलावाड़ी और सौरभ द्विविदी सहित कई जाने-माने चेहरे नजर आएंगे। इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। 'स्पेस जेन चंद्रयान' के टीजर में दिखाया गया है कि जो चीज किसी ने नहीं देखी, वहां तक लिमिटेड रिसोर्स तक पहुंचना, इसरो से बेहतर किसी को नहीं आता। दुनिया को दिखाने की एक जिद कि ल्यूनर साउथ पोल तक पहुंचने वाला पहला देश भारत होगा। पर साइंटिस्टों को विफलता मिलती है। ऐसे में सवाल उठने लगते हैं कि इस नाकामयाबी के बाद चंद्रयान 3 कैसे बनाएंगे? पर आखिरी में दिखाया गया है कि इसरो भारत को एक स्पेस पावर बनाकर रहेगा। इस वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा- चांद तक का सफर आसान तो नहीं था, पर भारत के लिए नामुमकिन भी नहीं था। उन वैज्ञानिकों की अनकही कहानी देखिए, जिन्होंने भारत के सपनों को इतिहास में बदल दिया। इसे अरुनभ कुमार ने क्रिएट किया है। डायरेक्टर अनंत सिंह हैं। कहानी को शुभम शर्मा, प्रशांत कुमार और नितिन तिवारी ने लिखा है।

हटके होगी इस बार मास्टर शेफ की थीम

नई दिल्ली। मास्टरशेफ इंडिया 9 ने पहले ही काफी एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, क्योंकि इस सीजन में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाला जजिंग पैनल वापस आ गया है। शेफ विकास खन्ना, शेफ कुणाल कपूर और शेफ रणवीर बरार जज के तौर पर वापसी करने वाले हैं। इस बार शो की थीम सुनकर आप खुश होने वाले हैं क्योंकि इस बार शो में सिर्फ भारतीय व्यंजनों की ही खुशबू आने वाली है। भारत के अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों की डिशेज जजों के सामने परोसी जाएगी। इस बार शो की थीम 'भारत का गौरव' है। ऑडियंस को कई भारतीय क्विजिन के बारे में जानने को मिलेगा। वहीं, विदेशों में भारतीय खाने की खूबियां बताई जाएंगी। मास्टरशेफ इंडिया सीजन 9, 5 जनवरी से सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रीमियर हो रहा है। लंबे इंतजार के बाद यह पॉपुलर कुकिंग रियलिटी शो टैलेंट और इमोशन्स से भरे एक बिल्कुल नए सीजन के साथ वापस आने के लिए तैयार है।

मस्ती भरा राहु-केतु का ट्रेलर रिलीज...

मुंबई। पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे स्टारर 'राहु केतु'का फाइल ट्रेलर आज सामने आया है। ट्रेलर पूरा मस्ती से भरा हुआ है। जिसमें पुलकित और वरुण मस्ती करते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में शालिनी पांडे भी अपनी हॉट अदाएं दिखाते दिख रहे हैं। 3 मिनट 7 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत पीयूष मिश्रा की आवाज के साथ होती है। जिसमें वो लोगों को दो लोगों के बारे में बताते हैं। जिनका परिचय देते हुए वो कहते हैं हिमाचल के शहर कुल्लू और वहां के दो उल्लू जिनका नाम राहु-केतु है। फिर पर्दे पर दिखते हैं वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट। इसके बाद दोनों की कॉमडी शुरू होती है, जिसे देखकर आपको कई मौकों पर 'फुकरे' की याद आती है। फिल्म के नाम से ही पता चलता है कि वरुण और पुलकित पनौती हैं, जहां जाते हैं कुछ न कुछ गड़बड़ कर देते हैं। हालांकि, ट्रेलर को देखकर ऐसा लगता है कि इसी दौरान ये कुछ ऐसा करते हैं, जिससे भ्रष्टाचारियों का खुलासा हो जाता है। जाहिर है कि मेकर्स ने कॉमेडी के साथ-साथ एक संदेश भी देने की कोशिश की है। ट्रेलर में वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट और शालिनी पांडे के अलावा बाकी कास्ट भी नजर आती है। जिसमें पीयूष मिश्रा के अलावा अमित सियाल, चंकी पांडे और मनु ऋषि जैसे कलाकारों के नाम शामिल हैं। पीयूष मिश्रा का लुक आपको 'तमाशा'में उनके किरदार की याद दिलाता है।

धुरंधर ने आरआरआर को भी चटाई धूल वर्ल्डवाइड कलेक्शन में मारी बाजी...

मुंबई। धुरंधर ने कमाई के मामले में कई फिल्मों को अब तक पछाड़ दिया है। हाल ही में आरआरआर को भी कलेक्शन के मामले में इसने पीछे छोड़ दिया है। धुरंधर को बॉक्स ऑफिस पर 32 दिन हो चुके हैं। फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर ली है। वहीं, वर्ल्डवाइड कलेक्शन में इस फिल्म ने हाल ही में आरआरआर जैसी सुपरहिट फिल्म को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म धुरंधर के मेकर्स ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किए, जिसमें बताया कि फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1,240

धुरंधर ने वर्ल्डवाइड पार किया 1200 करोड़ का आंकड़ा

करोड़ रुपए कलेक्शन कर लिया है। साथ ही मेकर्स ने यह जानकारी भी साझा की कि भारतीय बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म 820.30 करोड़ रुपए कमा चुकी है। फिल्म धुरंधर ने वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में आरआरआर को भी पीछे छोड़ दिया है। सैकनिल्क के अनुसार एसएस राजामौली निर्देशित की फिल्म आरआरआर ने वर्ल्डवाइड 1230 करोड़ रुपए की कमाई थी। यह फिल्म साल 2022 की सबसे बड़ी हिट फिल्म थी। इस फिल्म ने आस्कर अवॉर्ड में भी अपना जलवा चलाया था, इस फिल्म के गाने 'नाटू नाटू' को बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग का अवॉर्ड मिला। फिल्म धुरंधर इस साल रिलीज हुई फिल्मों से भी वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में आगे निकल चुकी है। फिल्म कांतारा चैप्टर 1 और छावा को भी इसने पछाड़ दिया है। कांतारा चैप्टर 1 ने वर्ल्डवाइड सिर्फ 900 करोड़ रुपए कमाए, वहीं छावाने वर्ल्डवाइड 809 करोड़ रुपये की कमाई थी। फिल्म धुरंधर अब वर्ल्डवाइड पुष्पा 2 के कलेक्शन को पार करने पर अपनी नजर टिकाए है। अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 साल 2024 में रिलीज हुई थी। इसने वर्ल्डवाइड 1742 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। अगर फिल्म धुरंधर 500 करोड़ रुपए की कमाए और करती है तो शायद फिल्म पुष्पा 2 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन को पार सके।

ऑस्कर में भारत की उम्मीदें बरकरार, 22 जनवरी को होगी पुरस्कारों की घोषणा

अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के अगले दौर में पहुंची होमबाउंड

लॉस एंजिल्स। *ऑस्कर के लिए भारत की ओर से भेजी गई ऑफिशियल फिल्म 'होमबाउंड' भारत की उम्मीदों को बनाए हुए है। क्योंकि, फिल्म अकादमी पुरस्कारों में अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के अगले दौर के मतदान में पहुंच गई है। ऑस्कर की ओर से घोषणा की गई कि अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में दुनिया भर की पंद्रह फिल्में वोटिंग के अगले दौर में पहुंच गई हैं। इनमें भारत की 'होमबाउंड' के अलावा अर्जेंटीना, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, इराक, जापान, जॉर्डन, नॉर्वे, फिलिस्तीन, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्विट्जरलैंड, ताइवान और ट्यूनीशिया की फिल्में शामिल हैं।*

98 साल के इतिहास में भारत की पांचवीं फिल्म

हाल ही में ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट होने के साथ 'होमबाउंड' ने एक उपलब्धि हासिल कर ली है। यह अकादमी पुरस्कारों के 98 साल के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म के लिए शॉर्टलिस्ट होने वाली भारतीय सिनेमा की पांचवीं फिल्म बन गई है। ईशान खट्टर और विशाल जेठवा स्टारर 'होमबाउंड' को ऑस्कर 2026 के अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में आखिरी नामांकन के लिए 15 फिल्मों में चुना गया है।

नीरज घेवान ने किया है फिल्म का निर्देशन

नीरज घेवान द्वारा निर्देशित और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित 'होमबाउंड' बचपन के दोस्तों शोएब (ईशान खट्टर) और चंदन (विशाल जेठवा) की कहानी है। जिनका पुलिस बल में शामिल होने का सपना उनके जीवन को आकार देता है। जाह्नवी कपूर ने दोस्ती, कर्तव्य और युवा भारत के सामने आने वाले दबावों पर आधारित इस कहानी में अहम भूमिका निभाई है।

ये फिल्में भी हुईं चयनित

'मबाउंड के अलावा चयनित हुई फिल्मों में बेलेन (अर्जेंटीना), द सीक्रेट एजेंट (ब्राजील), इट वाज जस्ट एन एक्सीडेंट (फ्रांस), साउंड ऑफ फॉलिंग (जर्मनी), द प्रेसिडेंट्स केक (इराक), कोकुहो (जापान), ऑल दैट्स लेफ्ट ऑफ यू (जॉर्डन), सेंटीमेंटल वैल्यू (नॉर्वे), पैलेस्टाइन 36 (फिलिस्तीन), नो अदर चॉइस (दक्षिण कोरिया), सिरात (स्पेन), लेट शिफ्ट (स्विट्जरलैंड), लेफ्ट-हैंडेड गर्ल (ताइवान) और द वॉइस ऑफ हिंद रजब (ट्यूनीशिया) शामिल हैं। इस बारे में अकादमी अवॉर्ड्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर जानकारी साझा की। अकादमी पुरस्कारों के लिए आखिरी नामांकन की घोषणा गुरुवार 22 जनवरी को की जाएगी।

बेथेल के 142 रनों से इंग्लैंड ने टाली पारी की हार, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाई बढ़त

एशेज अंतिम टेस्ट : इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बनाए 8 विकेट पर 302 रन

एजेंसी ▶▶| सिडनी

जैकब बेथेल ने अपना पहला टेस्ट शतक बनाया, जिससे इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवां और अंतिम एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच पांचवें दिन तक खींचकर अपनी उम्मीद भी कायम रखी। 22 वर्षीय ऑलराउंडर बेथेल इंग्लैंड की दूसरी पारी के पहले ओवर में क्रीज पर आए क्योंकि मिशेल स्टार्क ने पांचवीं गेंद पर जैक क्रॉली (01) को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया था।

बेथेल ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक 232 गेंद का सामना करके 142 रन बनाए हैं। उनकी इस शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में आठ विकेट पर 302 रन बनाए हैं। इस तरह से इंग्लैंड ने अभी तक 119 रन की बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल की थी। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे।

हार के अंतर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध इंग्लैंड

पिच से चौथे दिन ही स्पिनरों को मदद मिल रही है जो इंग्लैंड के लिए सकारात्मक संकेत है क्योंकि उसकी टीम में तीन स्पिनर हैं। बेथेल ने बेन डकेट (42) के साथ 81 रन, जो रूट (06) के साथ 32, हैरी ब्रूक (42) के साथ 102 और जेमी स्मिथ (26) के साथ 45 रन की साझेदारियां की। ऑस्ट्रेलिया पहले तीन मैच जीत कर एशेज अपने पास बरकरार रखने में सफल रहा लेकिन चौथे मैच में जीत दर्ज करने वाला इंग्लैंड श्रृंखला में हार के अंतर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह उपलब्धि मेरे लिए खास : बेथेल

बेथेल ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, 'यह उपलब्धि मेरे लिए खास है। मेरा परिवार यहां आया हुआ है और ऐसे में शतक लगाना बेहद खास बन गया है।" बेथेल ने एक छोर से विकेट गिरने के बावजूद अपने धैर्य और कौशल का अच्छा नमूना पेश किया। ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर (51 रन देकर तीन विकेट) ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अप्रत्याशित स्टार के रूप में उभरे। ऑस्ट्रेलिया इस मैच में विशेषज्ञ स्पिनर के साथ नहीं उतरा है। ऐसे में वेबस्टर ने अपनी कामचलाऊ ऑफ स्पिन से बल्लेबाजों को गच्चा दिया। इससे इंग्लैंड का खेमा थोड़ा खुश होगा क्योंकि उसके पास स्पिन विकल्पों के रूप में बेथेल, विल जैक्स और रूट मौजूद हैं। पिच से स्पिनरों को मिल रही मदद को देखते हुए 170 रन का लक्ष्य हासिल करना भी आसान नहीं होगा।

वेबस्टर ने लिए 3 गेंदों पर 2 विकेट

वेबस्टर ने कहा, 'मुझे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि चौथे दिन स्पिनरों को विकेट मिलेंगे। लेकिन हमारी टीम जीत हासिल करने के लिए अच्छी स्थिति में है।' वेबस्टर ने 52वें ओवर में तीन गेंदों पर दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को वापसी दिलाई। उन्होंने ब्रुक को एलबीडब्ल्यू आउट किया और फिर जैक्स (00) को भी पवेलियन भेजा। इससे इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 219 रन से पांच विकेट पर 219 रन हो गया। शाम के सत्र में ड्रिंक्स ब्रेक के बाद पहली ही गेंद पर जेमी स्मिथ रन आउट हो गए। उस समय बेथेल 123 रन पर थे और इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 264 रन था, जब उसके चोटिल कप्तान बेन स्टोक्स क्रीज पर आए। वेबस्टर ने हालांकि स्टोक्स (01) को टर्निंग बॉल को कट करने के लिए ललचाया और स्टीव स्मिथ ने स्लिप में शानदार कैच लिया। स्कॉट बोलैंड ने ब्रायडन कार्स (16) को स्लिप में कैच आउट कराया।

खबर संक्षेप

हार मेरे लिए निर्णायक मोड़ : नीतू घंघास

ग्रेटर नोएडा। पिछले साल राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मिली अप्रत्याशित हार नीतू घंघास के लिए एक बड़ा झटका थी लेकिन इससे उनके कॅरियर की दिशा बदल गई और उन्होंने निकहत जरीन के वर्चस्व वाले 51 किलोग्राम भार वर्ग में खेलने का फैसला किया ताकि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पदक जीतने का अपना सपना साकार कर सके। गैर ओलंपिक वर्ग 48 किलोग्राम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और 2023 की विश्व चैंपियन नीतू को पिछले साल की महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में मीनाक्षी हुड्डा ने हराया था, जिन्होंने बाद में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। नीतू ने कहा, 'मीनाक्षी से हारना एक तरह से मेरे लिए अच्छा साबित हुआ। अगर मैं जीत जाती और मुझे स्वर्ण पदक मिल जाता तो मैं निश्चिंत हो जाती और फिर कभी 51 किलोग्राम वर्ग में नहीं आती। वह हार मेरे लिए एक निर्णायक मोड़ थी।

धावक जॉनसन ने किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और भारतीय धावक जिन्सन जॉनसन ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि 15 वर्षों के करियर के बाद अब कुछ नया करने

का समय आ गया है। केरल के इस 34 वर्षीय एथलीट ने कहा कि उनका सफर 'मुश्किल ट्रेनिंग, संघर्षों और दर्दनाक चोटों' से भरा रहा। जॉनसन ने अक्टूबर 2023 में हांग्झोउ एशियाई खेलों में 1500 मीटर में कांस्य पदक जीतने के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ क्षण 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 1500 मीटर में तीन मिनट 44.72 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीतना रहा। इन्हीं खेलों में उन्होंने 800 मीटर में रजत पदक भी जीता था।

मुंबई इंडियंस ने भरी जीत की मानसिकता

मुंबई। हरमनप्रीत कौर ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग और उनकी टीम मुंबई इंडियंस ने उनके भीतर जीत की मानसिकता भरी, जिसका इस्तेमाल उन्होंने भारतीय महिला टीम को वनडे विश्व कप जिताने में किया। डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस को दो खिताब दिला चुकी हरमनप्रीत ने कहा कि फ्रेंचाइजी ने प्रतिस्पर्धा में अलग सोच के साथ उतरने में उनकी मदद की। उन्होंने कहा,' मेरा मानना है कि मैं जहां भी जाती हूं, जीत के बारे में ही सोचती हूं क्योंकि भागीदारी तो हम बरसों से कर रहे हैं। लेकिन जीत की सोच के साथ उतरने और उस दिशा में काम करने से बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। डब्ल्यूपीएल ने मेरे भीतर बहुत कुछ बदला है खासकर सोच बदली है।'

अंडर 19: साउथ अफ्रीका नहीं कर पाई 394 रन चेज, 160 रन पर सिमटी

टीम इंडिया के विशाल स्कोर के आगे द.अफ्रीका पस्त, सूर्यवंशी बने 'प्लेयर ऑफ द सीरीज'

एजेंसी ▶▶| बेनोनी

वैभव सूर्यवंशी ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सैकड़ा जड़ा जबकि आरोन जॉर्ज ने भी शतकीय पारी खेली, जिससे भारत की अंडर-19 टीम ने तीसरे युवा वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 233 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला क्लीन स्वीप कर ली। कप्तान सूर्यवंशी ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद एक बार फिर छक्कों की बरसता करते हुए 74 गेंद में 127 रन बनाए, जिसमें 10 छक्के और 9 चौके शामिल थे। सूर्यवंशी को जॉर्ज का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने 106 गेंद में 118 रन बनाए।

इस तरह दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 227 रन की भागीदारी निभाकर बड़े स्कोर की नींव रखी। इस तरह भारत ने सात विकेट पर 393 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो दक्षिण अफ्रीका के लिए बहुत बड़ा लक्ष्य साबित हुआ और टीम 35 ओवर में 160 रन पर ऑल आउट हो गई। इस सीरीज की 3 पारियों में वैभव ने 206 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल था। वह इस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच और साथ ही प्लेयर ऑफ द सीरीज भी बने।

वैभव की कप्तानी में शानदार आगाज, भारत ने साउथ अफ्रीका को 233 रन से हराया, सीरीज की क्लीन स्वीप

नटांडो सोनी ने 61 रन देकर लिए 3 विकेट

मेजबान टीम के लिए नटांडो सोनी (61 रन देकर तीन विकेट) और जेसन रोल्स (59 रन देकर दो विकेट) ने मिलकर पांच विकेट लिए। इस बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने चौथे ओवर में 15 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। किशन सिंह ने अपनी गेंदों से कहर बरपाते हुए शीर्ष क्रम में जोरिच वैन शाल्कविक (01), अदनान लागडियन (09) और लेथाबो फाहलामोहलाका (शून्य) को आउट कर दिया। उन्नीस साल के किशन सिंह ने दूसरे मैच में भी चार विकेट लिए थे और एक बार फिर सबसे सफल गेंदबाज रहे। डैनियल बोसमैन (40) और रोल्स (19) ने कुछ देर तक संघर्ष किया। इससे दक्षिण अफ्रीका 23वें ओवर में 99 रन पर छह विकेट गंवा बैठी। पॉल जेम्स (41) और कॉर्नें बोथा (नाबाद 36 रन) ने सिर्फ हार को टाला।

वैभव का 63 गेंदों में शतक

14 साल 286 दिन की उम्र में बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। साउथ अफ्रीका अंडर-19 टीम के खिलाफ यूथ वनडे मैच में कप्तानी करते हुए वैभव ने सिर्फ 63 गेंदों में शतक जड़कर नया रिकॉर्ड बना दिया। आईपीएल 2025 सीजन से सुर्खियों में रहने वाले वैभव का बल्ला पूरे साल गरजा है और उन्होंने लगभग हर सीरीज व टूर्नामेंट में शतक जमाया है।

तीसरे वनडे में विशाल जीत

भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए तीसरे वनडे मैच में 388 रन 7 विकेट पर बनाए और 5 रन भारत को पेनल्टी के रूप में मिले। इसके बाद मेजबान टीम के सामने था 394 रन का लक्ष्य। जवाब में साउथ अफ्रीका अंडर 19 की पूरी टीम 35 ओवर में 160 रन बनाकर सिमट गई। किशन कुमार सिंह गेंदबाजी में हीरो रहे और शुरुआत में तीन विकेट लेकर उन्होंने प्रोटियास की कमर तोड़ दी। उसके बाद हेनिल पटेल ने भी एक विकेट शुरुआत में झटका और उद्धव मोहन को भी एक सफलता मिली। भारतीय टीम की गेंदबाजी शानदार रही। भारत ने अपने दो प्रमुख गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन और खिलन पटेल को इस मैच में आराम दिया था। मोहम्मद एनान और कनिष्क चौहान ने खिलन की कमी नहीं महसूस होने दी। वहीं हेनिल ने भी दीपेश की कमी को पूरा किया। एनान ने 2, कनिष्क, सूर्यवंशी और अम्ब्रीश ने 1-1 विकेट झटका।

टी20 विश्व कप

न्यूजीलैंड स्क्वॉड का ऐलान सेंटनर को टीम की कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने टीम का ऐलान कर दिया है। अनुभवी ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर 15 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। अनुभवी स्पिनर ईश सोढ़ी भी टीम का हिस्सा हैं।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी का साल 2025 में शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्हें भी टीम में जगह दी गई है। डफी ने पिछले साल तीनों फॉर्मेट मिलाकर 81 विकेट लिए थे। तेज गेंदबाजी में डफी के साथ लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी और एडम मिल्ने को जगह दी गई है। जिमी नीशम भी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल हैं।

ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र टीम में गेंदबाजी और बल्लेबाजी को मजबूत करेंगे। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी टिम सीफर्ट को दी गई है। काइल जैमीसन रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल हैं।

न्यूजीलैंड का पहला मुकाबला अफगानिस्तान से

न्यूजीलैंड को ग्रुप डी में अफगानिस्तान, कनाडा, साउथ अफ्रीका और यूएई के साथ रखा गया है। टीम का पहला मुकाबला 8 फरवरी को चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ होगा। विश्व कप भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 7 फरवरी से 8 मार्च तक खेला जाना है।

आधुनिक क्रिकेट की धड़कन भारत

न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर टी20 विश्व कप को लेकर उत्साहित हैं। वॉल्टर ने कहा,"विश्व कप खास होते हैं, और भारत आधुनिक क्रिकेट की धड़कन है और इससे बेहतर जगहें बहुत कम हैं।" उन्होंने कहा कि मेगा इवेंट के लिए चुनी गई टीम संतुलित है। हमारे पास बैटिंग में बहुत पावर और स्किल है, क्वालिटी बॉलर हैं जो हालात के हिसाब से ढल सकते हैं, साथ ही पांच ऑल-राउंडर हैं जो सभी कुछ अलग लाते हैं। यह एक अनुभवी ग्रुप है और खिलाड़ी सब-कॉन्टिनेंट में खेलने के लिए नए नहीं हैं, जो उनके लिए फायदेमंद होगा।

यूनाइटेड कप

कोको ने जीते एकल-युगल मैच, सेमीफाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| पर्थ

कोको गॉफ ने ग्रुप चरण के एक मैच में हार को पीछे छोड़कर शानदार प्रदर्शन करके अपने एकल और युगल मैच जीते, जिससे मौजूदा चैंपियन अमेरिका ने यूनान को 2-1 से हराकर यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। गॉफ ने मारिया सकारी को 6-3, 6-2 से हराकर अमेरिका को 1-0 से बढ़त दिलाई। टेलर फ्रिट्ज हालांकि पुरुष एकल में स्टेफानोस सिटसिपास से वह 6-4, 7-5 से हार गए। गॉफ ने इसके बाद क्रिश्चियन हैरिसन के साथ मिलकर मिश्रित युगल में सिटसिपास और सकारी को 4-6, 6-4, 10-8 से हराकर अमेरिका की सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की। विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर की खिलाड़ी गॉफ को इससे पहले ग्रुप चरण की अपने आखिरी एकल मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वह विश्व में 42वें नंबर की खिलाड़ी जेसिका बौजास मानेरो से 6-1, 6-7 (3), 6-0 से हार गईं थी। लेकिन फ्रिट्ज ने अपना एकल मैच जीता तथा गॉफ और हैरिसन ने मिश्रित युगल में जीत हासिल करके अमेरिकी टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया।

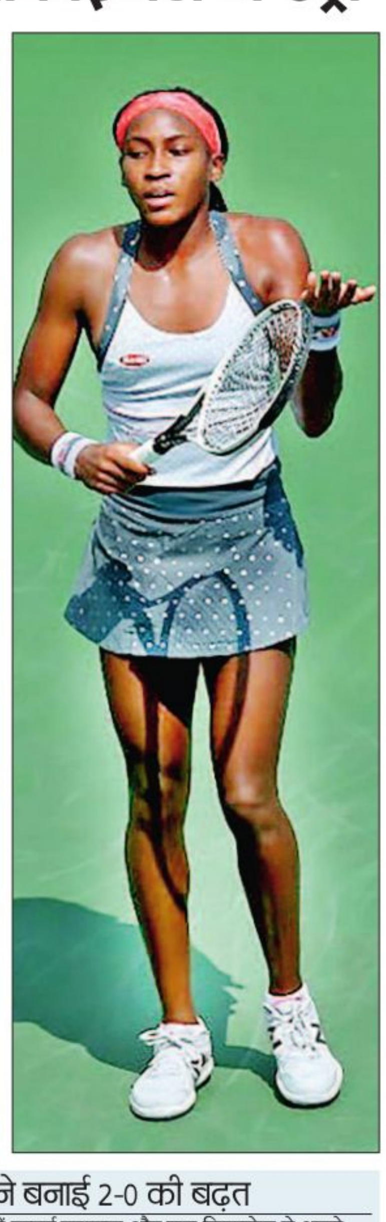

पोलैंड ने बनाई 2-0 की बढ़त

सिडनी में खेले जा रहे मैचों में ह्यूबर्ट हुरकाज और इगा स्वियातेक ने अपने अपने एकल मैच जीतकर पोलैंड को नीदरलैंड पर 2-0 की बढ़त दिलाई और ग्रुप एफ से क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। क्वार्टरफाइनल में पोलैंड का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होने की संभावना है।

टी20 विश्व कप खेलेंगे शाहीन : सलमान आगा

कराची। *पाकिस्तान की टी20 टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने उम्मीद जताई है कि तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी घुटने की चोट से उबरकर अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। अफरीदी पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अहम खिलाड़ी हैं तथा भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सलमान ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि वह विश्व कप के लिए फिट हो जाएंगे, लेकिन अंतिम फैसला मेडिकल पैनल की सलाह पर (पाकिस्तान क्रिकेट) बोर्ड करेगा।' अफरीदी अभी लाहौर के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मेडिकल पैनल की देखरेख में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग के एक मैच में फील्डिंग करते समय शाहीन के घुटने में चोट लग गई थी। इसके बाद पीसीबी ने उन्हें रिहैबिलिटेशन के लिए वापस बुला लिया था। सलमान ने यह भी कहा कि पाकिस्तान विश्व कप के लिए संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने में कामयाब रहा है और श्रीलंका में होने वाली श्रृंखला से उनके खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुकूल होने में मदद मिलेगी।*

एसए20: एमआई केपटाउन ने जोबर्ग सुपर किंग्स को चार विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

साउथ अफ्रीका टी20 लीग में एमआई केपटाउन और जोबर्ग सुपरकिंग्स के बीच एक रोमांचक मुकाबला खेला गया, जिसमें एमआई केपटाउन ने 4 विकेट से जीत हासिल की। बारिश से प्रभावित मैच 20 ओवर की जगह 12 ओवर का खेला गया। टॉस एमआई केपटाउन ने जीता था और गेंदबाजी का फैसला लिया था।

पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी जोबर्ग सुपरकिंग्स ने कप्तान फाफ डु प्लेसिस के 21 गेंद पर 44, मैथ्यू डिविलियर्स के 15 गेंद पर 21, जेम्स विंस के 15 और शुभम रंजने के 12 रन की मदद से 12 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 123 रन बनाए। एमआई के लिए कॉर्बिन

बोश ने 3 ओवर में 24 रन देकर 3, कप्तान राशिद खान ने 3 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट लिए। कगिसो रबाडा और जॉर्ज लिंडे को 1-1 विकेट मिले। एमआई केपटाउन ने 11.2 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 128 रन बनाकर मैच 4 विकेट से जीत लिया। रासी वानडर डुसेन ने 24 गेंद पर 3 छक्के लगाते हुए 35, निकोलस पूरन ने 15 गेंद पर 5 छक्के लगाते हुए 33 और जेसन स्मिथ ने 7 गेंद पर 3 छक्के लगाते हुए 22 रन बनाकर एमआई की जीत में अहम भूमिका निभाई।

प्लेयर ऑफ द मैच रहे पूरन

जोबर्ग के लिए नांद्रे बर्गर ने 2, अकील हुसैन, रिचर्ड ग्लिसन और वियान मुल्डर ने 1-1 विकेट लिए। निकोलस पूरन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। इस जीत के साथ एमआई केपटाउन ने अपनी लगातार हार का सिलसिला तोड़ा है। एमआई की सीजन के छठे मैच में यह पहली जीत है। टीम को 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच का परिणाम नहीं आया है।

मलेशिया ओपनः सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीत से की शुरुआत

सिंधू की जोरदार वापसी, 51 मिनट में युन को हराया

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

चोटिल होने के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू तथा चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी ने नए सत्र की जीत से शुरुआत करते हुए मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में अपने-अपने वर्ग में अगले दौर में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थी। उन्होंने वापसी पर अच्छा खेल दिखाया तथा 51 मिनट तक चले महिला एकल के मुकाबले में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-14, 22-20 से हराया। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने चीनी ताइपे के यांग पो ह्सुआन और ली झे-हुए को 35 मिनट में 21-13 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप से होगा।

कपिला और क्रास्टो की जोड़ी बाहर

ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की अमेरिकी जोड़ी से 15-21, 21-18, 15-21 से हारकर बाहर हो गई। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने इंडोनेशिया की फेब्रिआना द्विपुजी कुसुमा और मेइलिसा ट्रायस पुष्पितासारी के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें 66 मिनट के मुकाबले में 9-21 23-21 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व में 18वीं रैंकिंग सिंधू ने दिखाया सहज खेल

विश्व में 18वीं रैंकिंग सिंधू ने सहज खेल दिखाया और सुंग को दूसरी बार हराकर उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला विश्व में नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। मियाजाकी जब 21-19, 1-2 से आगे चल रही थी, तब दक्षिण कोरिया की उनकी प्रतिद्वंदी सिम यू जिन चोटिल होने के कारण मुकाबले से हट गई थी, जिससे जापान की खिलाड़ी अगले दौर में जगह बनाने में सफल रही। सिंधू ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले गेम में 6-2 की बढ़त हासिल कर ली और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्हें पहला गेम अपने नाम करने में कोई दिक्कत नहीं हुई लेकिन दूसरे गेम में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। दूसरे गेम में सिंधू एक समय 4-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने इसके बाद अच्छी वापसी की और स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया।

दिल्ली में पत्थरबाजी पर सियासी घमासान:

-सपा सांसद से पूछताछ, CCTV से 30 उपद्रवियों की पहचान

नई दिल्ली। दिल्ली में 6 जनवरी की रात फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास हुई पत्थरबाजी की घटना ने सियासी और प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान भड़की हिंसा के मामले में अब समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी से पूछताछ की तैयारी है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारियों के बार-बार कहने के बावजूद नदवी घटनास्थल से नहीं गए और आसपास मौजूद रहे, इसी वजह से उनसे पूछताछ की जाएगी। इस पूरे मामले में पुलिस ने CCTV कैमरों की फुटेज के आधार पर अब तक करीब 30 लोगों की पहचान कर ली है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए दिल्ली पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। फिलहाल एक नाबालिग समेत 5 उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है।

कैसे भड़की हिंसा-

दरअसल, पूरा मामला फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से जुड़ा है। पुलिस और नगर निगम (MCD) की टीमें कोर्ट के आदेश के तहत इलाके में अतिक्रमण हटाने पहुंची थीं। इसी दौरान सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई गई कि मस्जिद को गिराया जा रहा है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, 6 जनवरी की रात सोशल मीडिया पर खालिद मलिक नाम के एक व्यक्ति ने वीडियो पोस्ट कर दावा किया कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत मस्जिद को तोड़ा जा रहा है। वीडियो में उसने लोगों से बड़ी संख्या में घरों से बाहर निकलने और मौके पर पहुंचने की अपील की थी। इस पोस्ट के वायरल होते ही इलाके में तनाव फैल गया और बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। कुछ ही देर में हालात बेकाबू हो गए। भीड़ के एक हिस्से ने पुलिस और MCD कर्मचारियों पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकनी शुरू कर दीं। हिंसा में 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और देर रात तक इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा।

कानूनी कार्रवाई तेज-

दिल्ली पुलिस ने पत्थरबाजी और हिंसा के इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) समेत अन्य संबंधित कानूनों के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाकर लोगों को उकसाने वालों की भी पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। पुलिस का दावा है कि मस्जिद को गिराने का कोई सवाल ही नहीं था। कार्रवाई केवल कथित अवैध अतिक्रमण हटाने तक सीमित थी और वह भी कोर्ट के आदेश के मुताबिक की जा रही थी। अधिकारियों के अनुसार, अफवाह फैलाकर माहौल खराब किया गया, जिससे हिंसा भड़की।

सियासी बयानबाजी तेज-

घटना को लेकर सियासत भी गरमा गई है। सपा नेता और सांसद एस. टी. हसन ने पत्थरबाजी की घटना को लेकर प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि फैज-ए-इलाही मस्जिद और आसपास की दुकानें करीब 100 साल पुरानी हैं। उनके मुताबिक, "जब अतिक्रमण हटाने के नाम पर जुल्म किया जाएगा तो लोग कब तक सब्र करेंगे? अगर धार्मिक जगहों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होती है, जो लोगों की भावनाओं और आस्था से जुड़ी हैं, तो उसका रिएक्शन तो होगा ही।" एसटी हसन ने यह भी कहा कि अगर कहीं अवैध अतिक्रमण हुआ है, तो उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, जिनकी मौजूदगी में यह सब हुआ। उन्होंने प्रशासन पर चयनात्मक कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर यही कार्रवाई हर जगह समान रूप से हो, तो लोगों का भरोसा बना रहेगा। हालांकि, पुलिस और प्रशासन का कहना है कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हिंसा और पत्थरबाजी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, चाहे उनका राजनीतिक या सामाजिक रसूख कुछ भी हो। फिलहाल इलाके में तनावपूर्ण शांति है। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

अंबरनाथ नगर परिषद में कांग्रेस के 12 सस्पेंड पार्षद बीजेपी में शामिल, सियासी हलचल

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की अंबरनाथ नगर परिषद में स्थानीय निकाय चुनावों के बाद बड़ा राजनीतिक उलटफेर सामने आया है। कांग्रेस के 12 सस्पेंड पार्षद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गए हैं। इन पार्षदों को दिसंबर में हुए नगर परिषद चुनाव के बाद बीजेपी और अजित पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ गठबंधन करने के चलते कांग्रेस ने सस्पेंड कर दिया था। इस घटनाक्रम की औपचारिक घोषणा महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने बुधवार देर रात मुंबई स्थित बीजेपी कार्यालय में की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इन पार्षदों को जनता ने विकास के लिए चुना था। वे बीजेपी के साथ इसलिए आए हैं क्योंकि मौजूदा सरकार तेज़ी से काम कर रही है और आम लोगों को न्याय व विकास देने में सक्षम है। दरअसल, 20 दिसंबर को हुए अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव में कुल 60 वार्डों के लिए मतदान हुआ था। परिषद में बहुमत के लिए 31 सीटों की जरूरत थी। चुनाव परिणाम आने के बाद एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन वह बहुमत से दूर रही। इसके बाद सत्ता समीकरण पूरी तरह बदल गए। चुनाव के बाद बीजेपी ने कांग्रेस और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ मिलकर 'अंबरनाथ विकास अघाड़ी' (AVA) नाम से गठबंधन बना लिया। इस गठबंधन ने आवश्यक संख्या जुटाकर नगर परिषद पर कब्जा कर लिया और भाजपा की सहयोगी शिवसेना (शिंदे गुट) को सत्ता से बाहर कर दिया। यह गठजोड़ राजनीतिक हलकों में इसलिए भी चर्चा में रहा क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी लगातार कांग्रेस का विरोध करती रही है, लेकिन स्थानीय सत्ता के लिए अंबरनाथ में कांग्रेस के साथ हाथ मिला लिया गया। इस गठबंधन के समर्थन से बीजेपी नेता तेजश्री करंजुले को अंबरनाथ नगर परिषद की अध्यक्ष (मेयर) चुना गया। कांग्रेस के जिन 12 पार्षदों ने इस गठबंधन का समर्थन किया था, उनके खिलाफ पार्टी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें सस्पेंड कर दिया। अब वही पार्षद औपचारिक रूप से बीजेपी में शामिल हो गए हैं। इस पूरे घटनाक्रम पर राज्य की राजनीति भी गरमा गई है। महाराष्ट्र में फिलहाल बीजेपी, अजित पवार गुट की एनसीपी और एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना मिलकर महायुति सरकार चला रहे हैं। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर सत्ता हासिल करने के लिए बीजेपी द्वारा कांग्रेस और AIMIM जैसे दलों के साथ गठबंधन किए जाने पर सवाल उठने लगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस या AIMIM के साथ गठबंधन को मंजूरी नहीं दी गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह के मामलों में उचित कार्रवाई की जाएगी।

हरिद्वार घाटों पर गैर-हिंदुओं की चेकिंग: पवित्रता और सामाजिक विवाद का नया दौर

हरिद्वार। हरिद्वार की हरकी पैड़ी, जो गंगा नदी के किनारे स्थित है और लाखों श्रद्धालुओं के लिए तीर्थस्थल का काम करती है, अब एक नए विवाद का केंद्र बन गई है। घाट पर दुकान या ठेली लगाने वालों के आधार कार्ड की जांच शुरू कर दी गई है। इस जांच का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि घाट क्षेत्र में केवल हिंदू ही व्यापार कर रहे हैं और किसी गैर-हिंदू का प्रवेश प्रतिबंधित हो। स्थानीय लोग इसे श्री गंगा सभा की ओर से शुरू की गई ड्राइव बता रहे हैं, जो 2027 के कुंभ मेला से पहले घाटों पर गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग के बाद तेज हुई है। घाटों पर मौजूद कई तीर्थ पुरोहित और साधु-संत इस कदम को आवश्यक मानते हैं। उनका कहना है कि पिछले समय में कुछ लोग केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे थे। इससे घाटों पर विवाद और झगड़े की स्थिति उत्पन्न होती रही। संतों का तर्क है कि कुंभ मेला अति पवित्र आयोजन है और हरिद्वार को देवभूमि का प्रवेश द्वार माना जाता है। इसलिए, उनके अनुसार, गैर-हिंदुओं का घाट और कुंभ क्षेत्र में प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित होना चाहिए। संतों का यह भी मानना है कि घाट और तीर्थ स्थलों की पवित्रता बनाए रखना जरूरी है। उनका कहना है कि केवल हिंदू श्रद्धालु और व्यापारियों को ही घाट पर आने देना चाहिए, ताकि धार्मिक अनुष्ठान और साधना में किसी प्रकार का अपवित्रता का डर न रहे। कई संतों का कहना है कि यह सख्ती भविष्य में होने वाले कुंभ मेले में अनुशासन बनाए रखने और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी जरूरी है। हालांकि, इस कदम का विरोध भी तेजी से सामने आ रहा है। मुस्लिम संगठनों और समाज के अन्य वर्गों का कहना है कि इस तरह की पहचान और धर्म आधारित जांच संकीर्ण सोच को बढ़ावा देती है। उनका तर्क है कि घाटों पर एंट्री रोकने और आधार कार्ड जैसी पहचान के आधार पर लोगों को अलग करने की कोशिशें आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उनका मानना है कि हरिद्वार जैसे धार्मिक स्थल पर सभी श्रद्धालुओं और व्यापारियों को समान रूप से आने का अधिकार होना चाहिए। कुंभ मेला अभी दूर है, लेकिन हरकी पैड़ी से शुरू हुई यह बहस अब पूरे हरिद्वार में दिखाई देने लगी है। इस मुद्दे ने धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता के बीच एक जटिल द्वंद्व खड़ा कर दिया है। एक ओर संत पवित्रता और अनुशासन बनाए रखने के पक्ष में हैं, तो दूसरी ओर समाज के विभिन्न वर्ग धर्म और पहचान के आधार पर किसी को अलग करने की नीति को आपत्तिजनक मानते हैं। इस विवाद का समाधान आसान नहीं है। हरिद्वार जैसे पवित्र शहर में धार्मिक भावनाओं का सम्मान जरूरी है, लेकिन साथ ही यह भी आवश्यक है कि समाज में सभी धर्मों के बीच भाईचारे और आपसी सम्मान बना रहे।

ईरान ने ट्रम्प की धमकी पर दी सैन्य कार्रवाई की चेतावनी

ईरान (एजेंसी)। ईरान के सेना प्रमुख मेजर जनरल अमीर हातमी ने अमेरिका द्वारा दी गई धमकियों के जवाब में स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर कोई भी देश ईरान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करेगा, तो उसे निर्णायक सैन्य जवाब मिलेगा। हाल ही में अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि अगर ईरान की सेनाएं शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर हिंसा करेंगी या उन्हें मारेंगी, तो अमेरिका हस्तक्षेप के लिए तैयार है। हातमी ने यह बयान ईरान की सैन्य अकादमी में छात्रों को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने कहा कि "ईरान के खिलाफ बढ़ती बयानबाजी को बिना जवाब नहीं छोड़ा जाएगा" और ईरान की सशस्त्र सेनाएं पहले से कहीं अधिक तैयार हैं। उनके अनुसार, यदि कोई दुश्मन गलती करता है, तो उसका जवाब पहले से ज्यादा निर्णायक और कड़ा होगा। इस बीच, ईरान में एक सप्ताह से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन जारी हैं। प्रदर्शनकारी आर्थिक संकट, बढ़ती महंगाई और सरकारी नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतर रहे हैं। सरकार ने कुछ राहत उपायों की घोषणा की है, जैसे नई सब्सिडी देना, लेकिन प्रदर्शन अभी भी थम नहीं रहे हैं। ईरान सरकार इन प्रदर्शनों को आंतरिक मामला मानती है और विदेशी हस्तक्षेप को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बता रही है। साथ ही, ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने यूएन महासचिव और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को पत्र लिखा। उन्होंने ट्रम्प के बयानों को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताते हुए इसकी निंदा करने की मांग की। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारीजानी ने भी चेतावनी दी कि अमेरिकी हस्तक्षेप पूरे क्षेत्र में अराजकता फैलाएगा और अमेरिकी हितों को ही नष्ट करेगा। उनके अनुसार, क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा के लिए किसी भी विदेशी दबाव या सैन्य कदम को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि ईरान अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा पर किसी भी बाहरी दबाव को बर्दाश्त नहीं करेगा। अमेरिका और ईरान के बीच यह तनाव अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई चुनौतियों का संकेत देता है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए चिंताजनक हो सकता है।

पहाड़ों की बर्फबारी का असर:

-MP में पारा 2.7 डिग्री, राजस्थान-यूपी में घना कोहरा, उत्तराखंड में तापमान -21°C

नई दिल्ली। पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब साफ तौर पर मैदानी राज्यों में दिखाई देने लगा है। उत्तर भारत के कई राज्यों में कड़ाके की सर्दी, घना कोहरा और शीतलहर जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया है, जिससे आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मध्य प्रदेश में इस सर्दी का सबसे ज्यादा असर बीती रात देखने को मिला। शहडोल जिले का कल्याणपुर प्रदेश का सबसे ठंडा इलाका रहा, जहां न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सीहोर, छिंदवाड़ा और मुरैना जैसे जिलों में ठंड का आलम यह रहा कि पौधों पर ओस की बूंदें जम गईं। कई इलाकों में सुबह-सुबह खेत और घास की पत्तियां बर्फ की तरह सफेद नजर आईं। कोहरे के चलते रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है। दिल्ली से मध्य प्रदेश आने वाली एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनें रोजाना 2 से 6 घंटे तक देरी से चल रही हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान में भी सर्दी अपने चरम पर है। बुधवार को राज्य के चार शहरों का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। गुरुवार को प्रदेश के 23 जिलों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे सड़कों पर दृश्यता बेहद कम हो गई। हालात को देखते हुए एहतियातन 25 जिलों में स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। सुबह और रात के समय सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए, वहीं ग्रामीण इलाकों में लोग अलाव का सहारा लेते दिखे। उत्तराखंड में सर्दी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यहां के तीन प्रमुख धार्मिक स्थलों—पिथौरागढ़ का आदि कैलाश, रुद्रप्रयाग का केदारनाथ और उत्तरकाशी का यमुनोत्री धाम—में तापमान माइनस 21 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। भारी बर्फबारी के कारण इन इलाकों में सामान्य गतिविधियां लगभग ठप हो गई हैं। पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाओं ने मैदानी क्षेत्रों में भी ठंड बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम का मिजाज सख्त बना हुआ है। वाराणसी, मेरठ, झांसी समेत 38 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं लखनऊ, कानपुर सहित 26 जिलों में 'कोल्ड डे' की चेतावनी दी गई है। सुबह के समय दृश्यता बेहद कम होने से सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो रहा है। डॉक्टरों ने बच्चों और बुजुर्गों को खास सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक उत्तर भारत में सर्दी से राहत मिलने की उम्मीद कम है। पहाड़ों पर जारी बर्फबारी के चलते मैदानी राज्यों में ठंड और कोहरा बना रह सकता है। ऐसे में लोगों को गर्म कपड़े पहनने, अनावश्यक यात्रा से बचने और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है।

अमेरिका ने रूस के दो तेल टैंकर जब्त किए, वेनेजुएला से तेल ले जा रहे थे

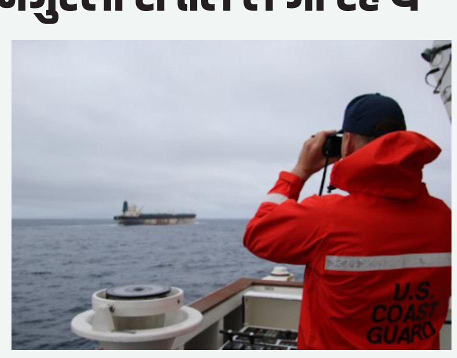

मॉस्को (एजेंसी)। अमेरिका ने रूस के दो तेल टैंकरों को जब्त किया है, जो वेनेजुएला से तेल लेकर चीन या अन्य देशों को भेजे जाने वाले थे। न्यूज एजेंसी 'रशिया टुडे' की रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से एक जहाज रूस का "मैरिनेरा" है, जबकि दूसरे जहाज का नाम "सोफिया" है। सोफिया पर पनामा का झंडा लगा हुआ है, लेकिन इसका वास्तविक स्वामित्व किस देश का है, यह स्पष्ट नहीं है। अमेरिका ने रूसी झंडे वाले टैंकर मैरिनेरा को उत्तरी अटलांटिक में जब्त किया। वहीं, दूसरा जहाज सोफिया कैरिबियन सी में पकड़ा गया। दोनों जहाजों को कुछ घंटे के अंतराल पर अमेरिकी नौसैनिक बलों ने नियंत्रित किया। अमेरिकी सेना ने दो हफ्तों से मैरिनेरा जहाज का पीछा कर रही थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि रूस ने अपने जहाज की सुरक्षा के लिए पनडुब्बी और अन्य नौसैनिक जहाज भेजे, लेकिन इसके बावजूद वे मैरिनेरा को बचाने में सफल नहीं हो सके। यह घटना अमेरिका की ओर से रूस और वेनेजुएला के बीच बढ़ते तेल और सैन्य तनाव को दिखाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कार्रवाई अमेरिका द्वारा रूस के ऊर्जा निर्यात को रोकने और वैश्विक तेल बाजार पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकती है। रूस और वेनेजुएला के बीच तेल आपूर्ति लंबे समय से मजबूत रही है, लेकिन अमेरिका ने प्रतिबंधों के चलते ऐसे कदम उठाए हैं। यह घटना वैश्विक भू-राजनीति और तेल की आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर असर डाल सकती है। अमेरिका ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब रूस पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध और आर्थिक दबाव बढ़ रहे हैं। इससे रूस की अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक गतिविधियों और तेल निर्यात पर सीधा असर पड़ेगा।

भारत समेत देशों पर 500% टैरिफ का खतरा

अमेरिका ने रूस पर नए प्रतिबंधों को दी हरी झंडी

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंधों से जुड़े बिल को मंजूरी दे दी है। यह बिल, जिसका नाम 'सेंक्शनिंग ऑफ रशिया एक्ट 2025' है, विशेष रूप से उन देशों पर केंद्रित है जो रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं। अमेरिका का आरोप है कि इन देशों की खरीदारी रूस को यूक्रेन युद्ध में वित्तीय मदद प्रदान कर रही है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस बिल में भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों पर 500% तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। इसका मकसद इन देशों को रूस से तेल खरीदने से रोकना और उन्हें दबाव में लाना है। अगर यह प्रस्ताव लागू होता है, तो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों की अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि घरेलू ईंधन और ऊर्जा सेक्टर को महंगा बना सकती है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि उन्होंने बुधवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रम्प से बातचीत की। इसमें राष्ट्रपति ने बिल को संसद में पेश करने के लिए हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था और अगले हफ्ते अमेरिकी संसद में इसकी वोटिंग होने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बिल पास हो जाता है, तो यह न केवल रूस के लिए बल्कि तेल आयातक देशों के लिए भी एक चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर सकता है। भारत को अब अपने वैकल्पिक तेल स्रोतों और रणनीतियों पर ध्यान देना होगा। इस कदम से वैश्विक तेल बाजार में भी अस्थिरता बढ़ सकती है।

JNU में मोदी-शाह के खिलाफ नारे, साबरमती हॉस्टल के बाहर प्रदर्शन पर FIR, 30–35 छात्रों की पहचान

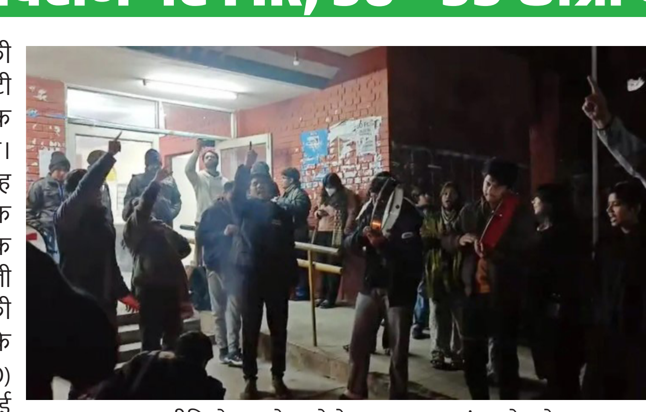

नई दिल्ली। दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (JNU) एक बार फिर राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक नारे लगाने के मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर JNU के मुख्य सुरक्षा अधिकारी (CSO) की शिकायत पर दर्ज की गई है। घटना 5 जनवरी की रात साबरमती हॉस्टल के बाहर हुई बताई जा रही है।

क्या है पूरा मामला-

JNU प्रशासन के मुताबिक, 5 जनवरी की रात साबरमती हॉस्टल के बाहर कुछ छात्रों का एक समूह इकट्ठा हुआ था। शुरुआत में कार्यक्रम शांतिपूर्ण था, लेकिन बाद में कथित तौर पर भड़काऊ और विवादित नारे लगाए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौके पर करीब 30 से 35 छात्र मौजूद थे। मुख्य सुरक्षा अधिकारी ने पुलिस को बताया कि कुछ छात्रों की पहचान भी कर ली गई है। इस मामले ने तब तूल पकड़ा जब 6 जनवरी को 35 सेकेंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में दावा किया गया कि छात्रों ने 'मोदी-शाह की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर' जैसे नारे लगाए। वीडियो सामने आने के बाद JNU प्रबंधन ने इसे गंभीर मामला बताते हुए पुलिस से एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने बुधवार रात मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नारेबाजी का संदर्भ-

CSO की शिकायत के अनुसार, यह नारेबाजी 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न मिलने के बाद हुई। शिकायत में कहा गया है कि जमानत न मिलने को लेकर छात्रों में नाराजगी थी, जो बाद में भड़काऊ नारों के रूप में सामने आई। उमर खालिद और शरजील इमाम दोनों ही 2020 के दिल्ली दंगों की कथित साजिश के आरोपों में जेल में हैं।

राजनीतिक प्रतिक्रियाएं-

इस पूरे मामले पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि JNU में हुआ यह प्रदर्शन उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में था। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि "राष्ट्रविरोधी विचारधारा का प्रसार" है। बीजेपी नेताओं ने JNU प्रशासन और दिल्ली पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं कांग्रेस ने इस घटना को अलग नजरिए से देखा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि छात्रों का गुस्सा और असहमति जताना लोकतंत्र का हिस्सा है। उनके मुताबिक, नारेबाजी को सीधे राष्ट्रविरोधी करार देना सही नहीं है और सरकार को छात्रों की आवाज सुननी चाहिए।

दिल्ली दंगे मामला और जमानत-

इसी बीच 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश मामले से जुड़ी एक बड़ी कानूनी खबर भी सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद चार आरोपी – गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा-उर-रहमान और मोहम्मद सलीम खान – 5 जनवरी को जेल से रिहा हो गए। इनमें से तीन आरोपी तिहाड़ जेल से, जबकि मोहम्मद सलीम खान मंडोली जेल से बाहर आए। पांचवें आरोपी शादाब अहमद को भी सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है, लेकिन वह अब तक अपना जमानती बॉन्ड दाखिल नहीं कर सका है, इसलिए उसकी रिहाई नहीं हो पाई।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886